



सूरभूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा



वर्ष-12 अंक:49 ता. 11 अगस्त 2023, शुक्रवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

नूंह में 100 करोड़ रुपये के नये कारोबार, तस्करों की कोशिश; आतंक से भी रिश्ता

नूंह। नूंह के पुन्हा से देशभर में सालाना 100 करोड़ रुपये के नये कारोबार किया जा रहा है। साथ ही यहां नशा तस्करों का पाठ भी पढ़ाया जा रहा है। यहां लग रहे तस्करों की पाठशाला में देशभर से लोग ज्ञान लेने पहुंचते हैं। इससे पुलिस की चिंता बढ़ गई है। अधिकारी इसपर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। नूंह पुलिस के अनुसार नशा तस्करों करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन साल में 64 से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए। इसमें 170 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स और सूत्रों के अनुसार झारखंड पुलिस ने खुफिया एजेंसी की मदद से हाल ही में इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के कुछ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के अलावा हरियाणा के नूंह जिला स्थित पुन्हा से ब्राउन शुगर व अन्य नशीले सामान मंगाते हैं। इनकी तस्करों जमशेदपुर के कोल्हान, कीताडीह, संजयनगर, बर्मागाँव, जुगसलाई, खरकई नदी तट से सटे बस्ती क्षेत्र, छयानगर व अन्य क्षेत्र में करते हैं। इसके लिए नशा नूंह, यूपी के गोरखपुर, बिहार के रास्ते झारखंड के जमशेदपुर व अन्य शहरों में पहुंचाया जाता है। तस्करों के फंड को आतंकी व देश विरोधी गतिविधियों में लगाते हैं।

पुन्हा से है कनेक्शन मीडिया रिपोर्ट्स व सूत्रों के अनुसार जमशेदपुर में गिरफ्तार इंडियन मुजाहिदीन के आतंकी अबू फैजल, इरशाद, शीश महमूद, अब्दुल रहमान कटकी, धतकीडीह के अब्दुल समी, मसूद व अख्तर आजादनगर के जोशान अली सहित अन्य का नूंह कनेक्शन है। वह पुन्हा से ब्राउन शुगर व अन्य नशीले पदार्थ को तस्करों करते हैं।

एसपी ने नहीं दिया जवाब इस बाबत नूंह पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजानिया जानकारी मांगी गई तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। ब्लास्टएसए पर भी उनसे पक्ष जानने के लिए मैसेज किया गया। लेकिन उनका कोई उत्तर नहीं आया।

झारखंड पुलिस ने क्या कहा-झारखंड पुलिस के महादेशिक अजय सिंह ने कहा कि पुलिस को सख्त निर्देश दिया गया है कि संगठित अपराधियों को खिन्न कर सख्त कार्रवाई करें। बड़े मामले पर अभियान चलाने की तैयारी है।

ओडिशा में बड़ी भाजपा की उम्मीदें, नवीन पटनायक के बजाए उनकी टीम को बनाएगी निशाना

बीजद से ज्यादा बड़ी चुनौती नवीन पटनायक बने हुए हैं, जिनकी लोकप्रियता का काट फिलहाल नहीं दिख रहा है। ऐसे में भाजपा ने अब नवीन के बजाए उनकी टीम और बीजद को निशाना बनाने की रणनीति पर काम कर रही है।

नई दिल्ली। ओडिशा की राजनीति और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक एक दूसरे के पर्याय जैसे हो गए हैं। यही वजह है कि ओडिशा की राजनीति बीते दो दशकों से नवीन पटनायक के आसपास घूमती रहती है। भाजपा के लिए इस राज्य में बीजद से ज्यादा बड़ी चुनौती नवीन पटनायक बने हुए हैं, जिनकी लोकप्रियता का काट फिलहाल नहीं दिख रहा है। ऐसे में भाजपा ने अब नवीन के बजाए उनकी टीम और बीजद को निशाना बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। ओडिशा में लोकसभा व विधानसभा चुनाव एक साथ होने हैं। ऐसे में वहां की चुनावी रणनीति पर दोनों चुनावों का दबाव रहता है। राज्य में कांग्रेस काफी कमजोर है। ऐसे में सत्तारूढ़ बीजद का मुकामला भाजपा से ही होना है। भाजपा ने भी नवीन पटनायक की मजबूत स्थिति को देखते हुए सीधे उन पर प्रहार न करने की रणनीति अपनाई है। ऐसे में उसके निशाने पर राज्य के अन्य मंत्री, सांसद व नौकरशाही रहती है। वैसे भी भाजपा को संसद में मौके बेमौकें बीजद का समर्थन मिलता रहा है। लोकसभा में भाजपा को पिछली बार काफी लाभ मिला था और उसने 21 में से आठ पर जीत हासिल की थी। बीजद को 12 व कांग्रेस को एक सीट मिली थी। दूसरी तरफ विधानसभा में 147 सीटों में बीजद के पास 114 सीटें हैं। भाजपा के पास 22, कांग्रेस के पास नौ व



सीपीएम व आईएनडी के पास एक एक सीट है। इस आंकड़े से साफ है कि राज्य में 2000 से सता पर काबिज नवीन पटनायक को फिलहाल बड़ी चुनौती मिलती नहीं दिख रही है। हालांकि भाजपा ने राज्य में कई प्रयोग किए हैं, लेकिन वह सफल नहीं रहे हैं। ऐसे में भाजपा की रणनीति लोकसभा चुनावों पर ज्यादा केंद्रित रहेगी। उसकी कोशिश रहेगी कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे राज्य में काबिज काफ़ी कमजोर है। ऐसे में सत्तारूढ़ बीजद का मुकामला भाजपा से ही होना है। भाजपा ने भी नवीन पटनायक की मजबूत स्थिति को देखते हुए सीधे उन पर प्रहार न करने की रणनीति अपनाई है।

के साथ अपनी ताकत को और ज्यादा बढ़ा सके। साथ ही नवीन पटनायक पर नरम रख अपनाकर भाजपा इसे भी अपने पक्ष में भुनाने की कोशिश करेगी। इस बार पार्टी की कोशिश राज्य की आधी से ज्यादा सीटें जीतने की होगी। ओडिशा में भाजपा की रणनीति को अमल में लाने का दारोमदार केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, आदिवासी नेता जयोल ओराम व युवा नेता संवित पात्रा पर ज्यादा रहेगा। पार्टी की रणनीति को धार देने के लिए राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल कमान संभाले हुए हैं।

ज्ञानवापी में लगातार सातवें दिन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण टीम का वैज्ञानिक सर्वे

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम गुरुवार को निर्धारित समय पर सुबह आठ बजे पहुंच गई। लगातार सातवें दिन टीम ने पूरे ज्ञानवापी परिसर में सर्वे कार्य शुरू कर दिया है। सर्वे में परिसर के हर हिस्से की फोटो और वीडियोग्राफी कराने के साथ ही डी मैपिंग हो रही है। थ्रीडी इमेज तैयार करने के लिए टीम ने परिसर में कई जगहों पर डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (डीजीपीएस) स्थापित किया है। इसके पहले छठे दिन माना जा रहा है कि टीम ने तहखानों की दीवारों और सतह की थ्री डी मैपिंग कराई। इसके साथ पश्चिमी दीवार और तहखानों के पास पड़े मलबे को भी रिकार्ड में दर्ज किया। सर्वे टीम ने ज्ञानवापी के पूरव दिशा में मौजूद दो ऊंची मीनारों और उसमें बनी सीढ़ी को देखने के साथ इसमें इस्तेमाल पत्थरों की



जांच की। पत्थरों पर उभरी आकृतियों की वीडियोग्राफी की। सर्वे टीम में शामिल 42 विशेषज्ञों की टीम चार दलों में बंट कर पहले पश्चिमी दिशा में जांच शुरू की। 10 सदस्यों का एक दल दक्षिणी तहखाने में मौजूद व्यास जी के कमरे में दाखिल हुआ। 10 सदस्य दल उत्तरी तहखाने में दाखिल हुआ। खास बात यह है कि ज्ञानवापी परिसर में ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) सर्वे के लिए आईआईटी कानपुर की टीम भी आने वाली है। अजर, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने ज्ञानवापी

इस्लाम के खिलाफ इंस्टाग्राम पर विवादित पोस्ट, मध्य प्रदेश के रतलाम में बवाल

रतलाम। सोशल मीडिया पर इस्लाम के खिलाफ विवादित पोस्ट को लेकर मध्य प्रदेश के रतलाम में बुधवार रात जमकर बवाल हुआ। मुस्लिम समुदाय के आक्रोशित लोग पुलिस हट की चौकी पर जमा हो गए। विवादित पोस्ट डालने वाले पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन में लोगों की संख्या कुछ ही देर में बहुत ज्यादा हो गई। बवाल बढ़ते देख दो थानों की पुलिस सहित थाना प्रभारी और सीएसपी मौके पर पहुंच गए। समाजसेवी और पुलिस के अधिकारियों की समझाइश के बाद मामले को शांत किया गया शहर काजी अहमद अली, समाज सेवी इमरान खोकर, पार्षद वसीम अली भी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने बताया एक अज्ञात लड़की के खिलाफ मामला दर्ज किया है और तलाश शुरू कर दी। अब यह पता करेगा कि इंस्टाग्राम की

आईडी को असल में कौन चला रहा है? रात को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार खाका, बवाल युवाओं ने कमान संभाली। धरना देने वालों की मांग की थी कि जिसने भावना आहत करने वाली सोएसपी अभिनव कुमार वारंगे, औद्योगिक पुलिस थाना प्रभारी राजेंद्र वर्मा धक्कामुक्की भी की गई। समझाने गए शहर काजी अहमद अली को वापस भेज दिया इसके

पोस्ट की है उसके मकान को तोड़ा जाए। देर तक इस मांग को लेकर नारेबाजी चलती रही। पुलिस के समझाने का असर भी नजर नहीं आया। एक बार तो पुलिस चौकी में

अंदर तक जाने का प्रयास हुआ, हालांकि सीएसपी वारंगे, टीआई अनुरूप यादव व शहर काजी अली के संयुक्त प्रयास के बाद युवा रोड पर ही प्रदर्शन को राजी हो गए। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर की। इसके बाद भी कोई सुनने को तैयार नहीं हुआ और नारेबाजी चलती रही। बाद में समाजसेवी इमरान खोकर, पार्षद वसीम अली ने पुलिस की गाड़ी पर चढ़कर सभी को संबोधन दिया व चक्काजाम समाप्त करने के लिए राजी किया वही, एडिशनाल एसपी राकेश खाखा ने बताया कि सोशल मीडिया पर किसी ने आपत्तिजनक पोस्ट डाली थी जिस पर एक समुदाय के लोग नाराज होकर शिकायत दर्ज कराने आए थे। अंत में कटौती की सभावन पर सचिव ने कहा, अभी हमने ये कदम उठाए हैं। ये गतिशील और विकासशील है। भविष्य में आवश्यकताओं के आधार पर हम कदम उठाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र यह सुनिश्चित करने के लिए राज्यों के साथ काम कर रहा है कि गेहूं में स्टॉक सीमा का उल्लंघन न हो।

राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने पाकिस्तान की नेशनल असेंबली को किया भंग



इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाह पर नेशनल असेंबली को उसके पांच साल के कार्यकाल के पूरा होने से तीन दिन पहले भंग कर दिया है। डॉन समाचार पत्र की आज जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि बुधवार आधी रात से ठीक पहले राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान

जारी कर कहा, राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने प्रधानमंत्री की सलाह पर अनुच्छेद 58(1) के तहत नेशनल असेंबली को भंग कर दिया है। इसके अनुमोदन के बाद संघीय मंत्रिमंडल भी भंग हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री अब्दुल कुदूस बिजेंजो ने उन रिपोर्टों का खंडन किया कि जिसमें कहा गया है कि गवर्नर

मलिक अब्दुल वली काकर ने उन्हें प्रांतीय विधानसभा को भंग करने के लिए सार भेजा है। बिजेंजो ने बुधवार देर रात इस्लामाबाद से फोन पर डॉन समाचार पत्र को बताया, मैं बलूचिस्तान विधानसभा को भंग करने की सलाह भेजने की जल्दी में नहीं हूँ। हालांकि उन्होंने कहा कि वह 12 अगस्त (शनिवार) को एक सार पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

50 लाख टन गेहूं और 25 लाख टन चावल और बेचेगी सरकार, बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण को लेकर फैसला

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कीमतों पर नियंत्रण के लिए 50 लाख टन गेहूं व 25 लाख टन चावल और बेचने का फैसला किया है। सरकार की ओर से कहा गया कि चावल और गेहूं की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और इनकी बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने को लेकर यह कदम उठाया गया है। केंद्रीय पूल से खुले बाजार में 50 लाख टन गेहूं और 25 लाख टन चावल की और विक्री की जाएगी। चावल खरीदारों की संख्या कम होने के बीच सरकार ने खुले बाजार विक्री योजना के तहत चावल का आरक्षित मूल्य घटाया है। 2 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत के साथ नई कीमत 29 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। गेहूं आयात के शुल्क में कटौती की सभावना पर सरकार ने कहा कि वह भविष्य में जरूरत के आधार पर कदम उठाएगी, क्योंकि चीजें गतिशील और विकसित हो रही हैं। सरकारी स्वामित्व वाली भारतीय खाद्य निगम 28 जून से ई-नीलामी के

जरिए थोक खरीदारों जैसे आटा मिलों और छोटे व्यापारियों को केंद्रीय पूल से गेहूं-चावल बेच रहे हैं। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा, दो वस्तुओं की कीमतें पिछले कुछ महीनों से खबरों में हैं, क्योंकि हम इन अनाजों की कीमतों में बहुत की प्रवृत्ति देख रहे हैं। OMSS के तहत गेहूं का उठाव अब तक अच्छा रहा है। हालांकि, पिछली दो-तीन नीलामियों में गेहूं की भारी औरत कीमत बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि चावल में ज्यादा उठाव नहीं हुआ है। आरक्षित मूल्य में बदलाव से बेहतर

नतीजे-चोपड़ा ने कहा कि सरकार को लगा कि चावल के आरक्षित मूल्य में बदलाव से बेहतर परिणाम आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने ओएमएसएस के जरिए 50 लाख टन गेहूं और 25 लाख टन चावल खुले बाजार में लाने का फैसला किया है। यह 28 जून को ओएमएसएस के तहत घोषित 15 लाख टन गेहूं और 5 लाख टन चावल की विक्री के अतिरिक्त है। इसके अलावा, सचिव ने कहा कि सरकार ने चावल का आरक्षित मूल्य 2 आक्रामक नीलामी करने के लिए सरकार के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। गेहूं आयात शुल्क में कटौती की सभावन पर सचिव ने कहा, अभी हमने ये कदम उठाए हैं। ये गतिशील और विकासशील है। भविष्य में आवश्यकताओं के आधार पर हम कदम उठाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र यह सुनिश्चित करने के लिए राज्यों के साथ काम कर रहा है कि गेहूं में स्टॉक सीमा का उल्लंघन न हो।

बाजार में उपलब्धता में सुधार की उम्मीद- खाद्य सचिव-खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि सरकार उम्मीद कर रही है कि इन उपायों से न केवल बाजार में उपलब्धता में सुधार होगा, बल्कि कीमतों को कम करने और खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, अगले कुछ हफ्तों में प्रतिक्रिया के आधार पर हम उनमें बदलाव करते रहेंगे। अंतिम उद्देश्य खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखना है। जरूरत पड़ने पर अधिक 2 आक्रामक नीलामी करने के लिए सरकार के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। गेहूं आयात शुल्क में कटौती की सभावन पर सचिव ने कहा, अभी हमने ये कदम उठाए हैं। ये गतिशील और विकासशील है। भविष्य में आवश्यकताओं के आधार पर हम कदम उठाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र यह सुनिश्चित करने के लिए राज्यों के साथ काम कर रहा है कि गेहूं में स्टॉक सीमा का उल्लंघन न हो।

अंग्रेज भी नहीं खोज पाए थे इस महल की सुरंग, क्रांति-कारियों का लगता यहां था जामवाड़ा

मेरठ। यूं तो 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन का उदम स्थल ही मेरठ था लेकिन इसके अलावा भी मेरठ और इसके आसपास कई ऐसे स्थान हैं जो क्रांतिकारियों की गतिविधियों के प्रमुख केंद्र थे। इनमें मेरठ में गढ़ रोड स्थित गांधी आश्रम, मेरठ कालेज, गुरुकुल डोरली, हस्तनापूर का राजा रघुनाथ महल प्रमुख हैं। इन स्थलों से क्रांतिकारी आंदोलन की रणनीति तैयार करते थे और गतिविधियों को अंजाम देते थे। गांधी आश्रम में रहते थे क्रांतिकारी-इतिहासकार प्रोफेसर डॉ. केके शर्मा बताते हैं कि गढ़ रोड स्थित गांधी आश्रम क्रांतिकारियों की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र था। यहाँ पर क्रांतिकारी रहते थे और अपनी गतिविधियों को अंजाम देते थे।

महात्मा गांधी भी यहां आए थे। चौधरी रघुवीर नारायण सिंह त्यागी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मेरठ में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कांग्रेस के 1946 के अधिवेशन की उन्होंने अध्यक्षता भी की थी। उनके चाचा ने भी कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। उन्होंने मेरठ में गढ़ रोड स्थित गांधी आश्रम की जमीन खरीदी, जिसे डोनेशन में दिया। मेरठ कॉलेज से चंद कदमों की दूरी पर कचहरी के समीप त्यागी हॉस्टल भी उनकी देन है। डोरली गुरुकुल पर अंग्रेजों ने लगा दिया था प्रतिबंध-इतिहासकार प्रोफेसर डॉ. नवीन गुणा एवं डॉ. प्रोफेसर देवेश शर्मा बताते हैं कि मेरठ का गुरुकुल डोरली आश्रम आजादी के आंदोलन में

प्रमुख क्रांतिकारी नेताओं का केंद्र था। यहां महर्षि दयानंद सात बार आए थे। महात्मा गांधी और लाल बहादूर शास्त्री भी पहुंचे थे। आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों को गुरुकुल डोरली खटकने लगा था। आंदोलनकारियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ब्रिटिश सरकार ने गुरुकुल डोरली को प्रतिबंधित कर दिया था। इसकी स्थापना का श्रेय अलवरगु शास्त्री और फहैड़ा गांव के जमींदार

पंडित शिवदयालु एवं डोरली के एक अन्य जमींदार को जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह डोरली प्रबंध समिति के 1924 से 1954 के बीच अध्यक्ष रहे। आजादी के आंदोलन के गवाह है मेरठ कॉलेज का बरगद का पेड़-मेरठ कॉलेज भी क्रांतिकारियों की गतिविधियों के प्रमुख केंद्रों में से एक था। यहां लगा बरगद का पेड़ 1942 के आंदोलन का गवाह है। मेरठ में क्रांतिकारियों और आजादी के आंदोलन पर शोध करने वाले डॉ. मनोज कुमार गौतम बताते हैं कि यह पेड़ महात्मा नारायण स्वामी ने लगाया था। इसी बरगद के पेड़ के पास 196 घंटे तक यज्ञ व धरना चला था। इतिहासकार बताते हैं कि 1942 के आंदोलन में

पूरे देश में सबसे ज्यादा गिरफ्तारी भी मेरठ में हुई। आंदोलन की बागडोर संभालने में प्रकाशवती सूद, द्रोपदी देव वैद्य, चारुशला और डॉ. विमला का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। रघुनाथ महल की रहस्यमयी गुफा नहीं खोज पाए थे फिरंगी-राजा रघुनाथ नाथक के इस महल में रहकर कई क्रांतिकारियों ने देश को आजाद करने में मुख्य भूमिका निभाई। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में झांसी की रानी के मामा रघुनाथ नाथक फौजी क्रांति के बाद यहां आकर छिपे थे। उन्होंने ही इस महल का निर्माण कराया था। महल में ऐसी दो गुफाएं हैं, जिसमें एक साथ 50 लोग बैठ सकते हैं। वर्ष 1919 में स्वतंत्रता सेनानी और महान सत सुमेर सिंह काली कमली वालों ने इस

इमारत की कमान संभाली। इस गुरुकुल में देशभक्ति की भावना कूट-कूटकर भरी जाती थी। 1939 में काली कमली वालों के ब्रह्मलीन हो जाने के बाद शिष्य ब्रह्मचारी डॉ. स्वामी महंत कर्ण रामकिशन को महल का संचालक नियुक्त किया गया। संन्यासी जीवन व्यतीत करते हुए स्वामी जी आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। वह ब्रिटिश हुकूमत द्वारा गिरफ्तार कर लिये गये। उन्हें आंध्र प्रदेश की उस्मानाबाद जेल में बंद कर दिया गया। इसी दौर में लाल बहादुर शास्त्री भी तीन मह माह स्वामी जी के साथ रहे। स्वामी जी हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, उर्दू एवं पंजाबी समेत सात भाषाओं का ज्ञान रखते थे। वेदों के प्रचार हेतु उन्होंने देशभर में हिन्दुत्व की पताका लहराई।

इंस्टाग्राम पर इस्लाम के खिलाफ विवादित पोस्ट से मचा बवाल, मामला दर्ज

रतलाम। सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर एक विवादित पोस्ट आने के बाद रतलाम में भारी बवाल मच गया। मुस्लिम समाज के लोग पुलिस चौकी पहुंचकर धरने पर बैठ गए और आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर उसका घर तोड़ने की मांग करने लगे। बाद में कुछ समाज सेवकों के हस्तक्षेप के बाद मामला एफआईआर पर रुका। मिली जानकारी के अनुसार इस्लाम के खिलाफ यह विवादित पोस्ट मध्य प्रदेश के रतलाम में बुधवार रात वायरल हुई। जिससे मुस्लिम समुदाय आहत हुआ और समुदाय के आक्रोशित लोग पुलिस हाट की चौकी पर जमा हो गए। पुलिस से विवादित पोस्ट डालने वाले पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान लोगों की संख्या कुछ ही देर में बहुत ज्यादा हो गई। बवाल बढ़ते देख दो थानों की पुलिस सहित थाना प्रभारी और सीएसपी मौके पर पहुंच गए। शहर काजी अहमद अली, समाज सेवी इमरान खोकर, पार्षद वसीम अली भी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने बताया एक अज्ञात लड़की के खिलाफ मामला दर्ज किया है और तलाश शुरू कर दी। अब यह पता करे कि इंस्टाग्राम की आईडी को असल में कौन चला रहा है? रात को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार खाका, सीएसपी अभिनव कुमार वारंगे, आर्वांगिक पुलिस थाना प्रभारी राजेंद्र वर्मा के साथ धक्कामुक्की भी की गई। इसके बाद समझने गए शहर काजी अहमद अली को वापस भेज दिया इसके बाद युवाओं ने कमान संभाली। धरना देने वाली की मांग थी कि जिसने भावना आहत करने वाली पोस्ट की है उसके मकान को तोड़ा जाए। देर तक इस मांग को लेकर नारेबाजी चलती रही। पुलिस के समझाने का असर भी नजर नहीं आया। लोगों द्वारा एक बार तो पुलिस चौकी में अंदर तक जाने का प्रयास हुआ, हालांकि सीएसपी वारंगे, टीआई अनुराग यादव व शहर काजी अली के संयुक्त प्रयास के बाद युवा रोड़ पर ही प्रदर्शन को रोजी हो गए। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। हालांकि इसके बाद भी कोई सुनने को तैयार नहीं हुआ और नारेबाजी चलती रही। बाद में समाजसेवी इमरान खोकर, पार्षद वसीम अली ने पुलिस की गाड़ी पर चढ़कर सभी को संबोधन दिया व चक्काजमा समाप्त करने के लिए राजी किया। इस संबंध में एडिशनल एसपी राकेश खाखा ने बताया कि सोशल मीडिया पर किसी ने आपत्तिजनक पोस्ट डाली थी जिस पर एक समुदाय के लोग नाराज होकर शिकायत दर्ज कराने आए थे, हमने लोगों को आशान दिया और विवादित पोस्ट डालने वाले पर मामला दर्ज किया है।

तरकर दे रहे बीएसएफ को चुनौती, ड्रोन के जरिए हो रही हथियारों व ड्रम की सप्लाई

नई दिल्ली। इन दिनों सीमा पार से ड्रम और हथियारों की ड्रोन के जरिए तरकारी की जा रही है, जो कि बीएसएफ के लिए चुनौती बनी हुई है। हालांकि सीमा सुरक्षा बल ने भी कमर कस ली है, और किसी भी तरह की कार्रवाई से निपटने के लिए अपने आप को तैयार कर लिया है। बता दें कि सीमा पार से घुसपैठ के अलावा, ड्रोन के जरिए हथियार और ड्रम की आपूर्ति के भी कई मामले पिछले दिनों सामने आए हैं, जिसके बाद सीमा सुरक्षा बल बीएसएफ अब पूरी तरह से अलर्ट पर है। किसी भी संदिग्ध वस्तु की सीमा के पास निगरानी कर रही है। असामान में जैसे ही कोई ड्रोन दिखता है, जवान उसे मार गिराते हैं। इस संबंध में बीएसएफ के सहायक कमांडेंट गौरव शर्मा ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल के जवान पाकिस्तान की ओर से ड्रोन खतरे का मुकामबला करने के लिए सतक और अचूकी तरह से तैयार हैं। हम अपने बीएसएफ कर्मियों को ड्रोन पर बहुत अच्छी तरह से प्रशिक्षित करते हैं। अगर कोई गुनगुनाहट की आवाज सुनाई देती है तो वे अधिकारियों को सूचित करते हैं। इसके बाद बीएसएफ अधिकारियों के साथ ड्रोन की तलाश शुरू होती है। पुलिस ने अधिकारियों के साथ पूरे क्षेत्र की घेराबंदी करते हुए आगे की जांच की, ड्रोन पाया गया और उसे मार गिराया गया। इसके बारे में उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण काम है क्योंकि ड्रोन तकनीक का उपयोग करके पाकिस्तान से सीमा पार कुछ भी भेजा जा सकता है, जिसमें अधिकांश दवाएं और हथियार भी शामिल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान भारत में नशीले पदार्थ और हथियार पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है और ड्रोन तकनीक अधिक सरती और सुलभ होने के साथ खतरा और भी गहरा होने वाला है।

घातक बीमारी हवाना सिंड्रोम ने 200 से ज्यादा लोगों को चपेट में लिया

बैंगलुरु। बैंगलुरु में इन दिनों हवाना सिंड्रोम नाम की नई बीमारी की चर्चा हो रही है। इस बीमारी से लगभग 200 से अधिक लोग पीड़ित बताए जा रहे हैं। हालांकि जानकार बता रहे हैं कि इस रहस्यमयी बीमारी की शुरुआत अमेरिका से हुई है। इस बीमारी की पहली रिपोर्ट 2016 में की गई थी जब सीआईए कर्मचारियों ने माइजोन, मतली, याददाशत में कमी, चक्कर आना, बिना किसी बाहरी शोर के आवाज सुनना और चक्कर जैसे लक्षणों का अनुभव करने की सूचना दी थी। उस दौरान कर्मचारियों वयूबा के हवाना में तैनात थे और डिससिल्व इस बीमारी का नाम हवाना सिंड्रोम पड़ा। कुछ सीआईए कर्मचारियों में हवाना सिंड्रोम के लक्षण महसूस तो बने रहे। इस बीमारी को लेकर कोर्ट में एक याचिका भी दी गई है। बैंगलुरु के एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका के अनुसार, हाई फ्रीक्वींसी वाले माइक्रोवेव उत्सर्जन से हवाना सिंड्रोम होता है। व्यापक जांच और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान देने के बावजूद, हवाना सिंड्रोम के कारण के बारे में कोई निश्चित निष्कर्ष नहीं निकले हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि घटनाएं कई कारकों के संयोजन के कारण हो सकती हैं, और ठोस सबूतों की कमी के कारण यह अभी रहस्यमयी है। केंद्र सरकार जल्द ही भारत में हवाना सिंड्रोम की आशंका की जांच करेगी, सरकार ने पिछले हफ्ते कर्नाटक उच्च न्यायालय को यह जानकारी दी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, केंद्र ने ए अमरनाथ वायु द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत में यह दलील दी।

मुंबई को दहलाने की साजिश, घातक हथियार समेत दो गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई/महाराष्ट्र में आतंकी हमले की तैयारी कर रहे 6 लोगों को अब तक गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए 6 लोगों के पास से बम बनाने की सामग्री मिली है, साथ ही अबतक तरह-तरह की धमकियों के फोन आ रहे हैं। इन सबके चलते आम जनता भी डरी हुई है, अब मुंबई के पश्चिमी उपनगर अंधेरी से दो अज्ञात लोगों को हिरासत में लिया गया है, अंधेरी के डीएन नगर इलाके में दो लोगों को खतरनाक आमनेयासनों के साथ गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की यूनिट 9 ने ये बड़ी कार्रवाई की है, क्राइम ब्रांच पुलिस ने दोनों लोगों के पास से 2 आमनेयासन और 23 जिंदा कारतूस के साथ एक धारदार चाकू और अन्य सामग्री बरामद की है। ये दोनों गिरफ्तार आरोपियों के नाम अरबाज खान और ताराई हुसैन खान हैं। इस संबंध में डीएन नगर थाने में दोनों के खिलाफ शस्त्र निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है, पुलिस ने पूरे मामले को आगे की जांच के लिए अपराध शाखा नौ को सौंप दिया है।

केरल के मुख्यमंत्री विजयन पर चल सकता है भ्रष्टाचार का मामला-भाजपा का दावा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बहुस्वतंत्रता को दावा किया कि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन अपनी बेटी वीणा विजयन की कंपनी कोरल निरंतर एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएआरएल) से बिना कोई सेवा प्रदान किए 1.7 करोड़ रुपये प्राप्त करने के कथित मामले में भ्रष्टाचार के आरोपों में जांच का सामना कर सकते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता टीम वडकन ने एक बयान में इसे 'वीणा टेक्स' करार दिया और आरोप लगाया कि वीणा विजयन को पिछले तीन साल से निजी कंपनी से मासिक किरातों में कुल 1.72 करोड़ रुपये मिले। केरल से ताल्लुक रखने वाले वडकन ने कहा कि आयकर अंतरिम निपटान बोर्ड की नई दिल्ली पीठ ने फैसला सुनाया कि एक 'प्रमुख व्यक्ति' के साथ संबंधों को देखते हुए पैसा दिया गया था। वीणा और उनकी कंपनी एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस ने सीएमआरएल को आईटी, मार्केटिंग कंसल्टिंग और सॉफ्टवेयर सेवाओं की आपूर्ति करने पर सहमति जताई थी। 'उन्होंने कहा कि हालांकि आयकर विभाग की जांच में पाया गया कि कोई पैसा मुहैया नहीं कराई गई। वडकन ने कहा कि सीएमआरएल के प्रबंध निदेशक एस एन शशिधरन कार्या ने कहा है कि अनुबंध के अनुसार मासिक किरातों में घन का भूगतान किया गया था। उन्होंने कहा, 'आयकर विभाग ने आरोप लगाया कि वीणा और एक्सलॉजिक को 2017-20 के दौरान 1.72 करोड़ रुपये मिले, जो एक अवैध लेनदेन है। आयकर विभाग ठोस सबूतों की मदद से यह दिखाने में सक्षम रहा है कि उन सबूतों के लिए घन का भूगतान किया गया था जो प्रदान नहीं की गई थी।' उन्होंने कहा कि इन आरोपों की प्रकृति और आयकर विभाग द्वारा उठाए गए सवालों को देखते हुए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि मामले की जांच की जाए।

मेहमान जो हमारा होता है वो जान से प्यारा होता है 20 देशों की सुरक्षा के लिए भारत का बड़ा कदम, ये स्नाइपर बंदूकें तो बवाल कर देंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस आगामी जू 20 शिखर सम्मेलन के लिए रूसी ड्रैगून स्नाइपर राइफलें खरीद रही है। इन बंदूकों से लैस प्रशिक्षित निशानेबाजों को दिल्ली के फाइव स्टार होटलों की छत, एयरोस्टी और शहर के अन्य रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया जाएगा। हालांकि वरिष्ठ अधिकारी इस घटनाक्रम के बारे में चुप्पी साधे साध रखी हैं। लेकिन पुलिस सूत्रों ने कहा कि इन हथियारों को खरीदने के बजाय, पुलिस इन्हें सेना या अर्धसैनिक बलों से प्राप्त करेगी। एक ड्रैगून एसबीडी राइफल की कीमत 2-3 लाख रुपये है, लेकिन चुनौतीपूर्ण सहायक उपकरण के आधार पर कीमत 5 लाख रुपये तक बढ़ सकती है। सूत्रों ने पुष्टि की कि दिल्ली पुलिस को सीमित समय के लिए 70-100 राइफलों की जरूरत है।

250 निशानेबाज ड्यूटी पर तैनात पुलिस मुख्यालय के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, लगभग 250 निशानेबाजों को जू 20 ड्यूटी पर तैनात करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। वे 8-घंटे की शिफ्ट में काम करेंगे और पूल के दो दर्जन से अधिक निशानेबाज स्टैंडबाय पर रहेंगे। ड्रैगून का चयन इसलिए किया गया क्योंकि पुलिस को एक ऐसे हथियार के बजाय एक विश्वसनीय और सरल स्नाइपर की आवश्यकता थी जो उच्चतम सटीकता के साथ वास्तव में लंबी दूरी तक फायर कर सके, घटनाक्रम से अलग एक अन्वेषक ने कहा। ड्रैगून स्नाइपर में 700-800 मीटर से अधिक



सटीक है, जो शहर पुलिस का मानना है कि सिल्वर में वैरिफाइड शिखर सम्मेलन के दौरान उपयोग के लिए पर्याप्त है। हाई-एंड नाइट विजन दूरबीनों से लैस स्नाइपर को हाई-एंड नाइट विजन दूरबीनों से लैस और उनके नजदीक तैनात 50 से अधिक स्पॉटर्स द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी। एक अधिकारी ने कहा, वे स्नाइपर्स के साथ निकट संपर्क में रहेंगे और उन्हें किसी भी संदिग्ध तत्व के बारे में सचेत करेंगे। पुलिस अधिकारी स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान लाल किले और आस-पास के स्थानों पर स्नाइपर तैनात करते समय स्पॉटर्स का भी उपयोग कर सकते हैं। अधिकारियों ने कहा कि ड्रैगून एसबीडी एक विश्वसनीय गैस चालित राइफल है, जिसका लंबी बैरल और फायर के बावजूद उपयोग, रखरखाव और मरम्मत करना आसान है।

500-700 मीटर से अधिक दूरी के टारगेट पर अटैक सक्षम एक अधिकारी ने कहा कि निशानेबाज कार्यों और

युद्ध के माहौल के आधार पर स्नाइपर राइफल को दिन और रात दोनों ऑपरेशनों के लिए विभिन्न दृष्टि प्रणालियों से समायोजित और सुसज्जित कर सकते हैं। सेमी ऑटोमैटिक स्नाइपर राइफल होने के कारण, ड्रैगून विकरित अनुवर्ती शॉट्स को अनुमति देता है। हालांकि, रूसी हथियारों के अपने नुकसान भी हैं। विशेष हथियार और रणनीति (एसडब्ल्यूएटी) इकाई के एक अधिकारी ने कहा, 'फायर किए गए मामलों को बाहर निकालने से स्नाइपर की स्थिति खत्म हो सकती है। इसे 500-700 मीटर से अधिक दूरी के लक्ष्य पर हमला करने के लिए सबसे अच्छा नहीं माना जाता है। भारतीय सेना इन राइफलों के सबसे बड़े उपयोगकर्ताओं में से एक है और अनुमान है कि एक समय में सेना में इन हथियारों की कुल संख्या लगभग 7,000 थी। सूत्रों ने कहा कि सेना इन राइफलों को बदलने पर विचार कर रही थी और अन्य उन्नत स्नाइपर हथियारों की खरीद के दौरान इन्हें अपग्रेड करने की खबरें हैं।

डिजिटल ट्रैकिंग रेडियो सिस्टम पर भी विचार एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि वे संचार उपकरण, सुरक्षा उपकरण और वाहन भी खरीद रहे हैं जो सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देंगे। बल के सूत्रों ने कहा कि एक उन्नत डिजिटल ट्रैकिंग रेडियो सिस्टम खरीदने की भी योजना है जो पुलिस के बीच बेहतर संचार प्रदान करेगा। तलर रूप में विस्फोटक पदार्थों का पता लगाने के लिए उन्नत उपकरण और वाहनों के नीचे के क्षेत्रों की निगरानी और स्कैन करने के लिए पोर्टेबल उपकरण भी हासिल किए जाएंगे।

'एक तरफ चौकीदार है और दूसरी तरफ दुकानदार', ओवैसी बोले-

जब अल्पसंख्यकों पर जुल्म होता है तो किसी का मुंह नहीं खुलता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एआईएमआरएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को अविश्वस प्रस्ताव में हिस्सा लेते हुए लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह की उस टिप्पणी पर कटाक्ष किया जो उन्होंने गुजरात को दी थी। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि हमारे गृह मंत्री कल ७५ भारत छोड़ो की बात कर रहे थे। मुझे आश्चर्य है कि अगर उन्हें पता चलें कि ७५ भारत छोड़ो शब्द एक मुस्लिम द्वारा गढ़ा गया था, तो वह इस शब्द का उपयोग नहीं



करेंगे। मैं कहना चाहता हूँ कि आप (केंद्र सरकार) जिस तरह की रणनीति कर रहे हैं, उससे देश को नुकसान होगा। मैं पीएम से पछुना चाहता हूँ कि क्या हिंदुत्व देश से ज्यादा महत्वपूर्ण है? उन्होंने यह भी कहा कि अगर इन लोग जुल्म के खिलाफ नहीं खड़े होते 'दुकानदारों' बंद हो जाएंगे, 'चौकीदार' बदल जाएंगे और देश को तीसरा मोर्चा मिलेगा। ओवैसी ने भाजपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ 'चौकीदार' हैं और दूसरी तरफ 'दुकानदार' हैं, लेकिन जब अल्पसंख्यकों पर जुल्म होता है तो किसी का मुंह नहीं खुलता। यह भी कहना था, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चर्चा का जवाब देते हुए यह

स्पष्ट करना चाहिए कि देश बड़ा है या फिर हिंदुत्व और (संघ विचारक) गोलेवलकर की विचारधारा बड़ी है?' ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस से पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए कहा, 'इस देश में दो मोर्चे हैं। एक चौकीदार है और एक दुकानदार है। जब हम पर जुल्म होता है तो कोई मुंह नहीं खोलता। गृह मंत्री अमित शाह यूएपीए कानून लेकर आए तो इन दुकानदारों ने समर्थन किया।' ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले लोकसभा चुनाव से पहले ट्विटर पर अपने नाम के आगे 'चौकीदार' लगाया था। राहुल गांधी ने 'भारत छोड़ो यात्रा' के दौरान 'नरकरत के बजाय मैं मोहब्बत की दुकान' खोलने का नारा दिया था।

सिब्बल ने चेताया, गृहमंत्री 'इंडिया' गुट के खिलाफ अनर्गल आरोप न लगाए

नवी दिल्ली (एजेंसी)।

राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा कि गृहमंत्री अनर्गल आरोप लगाने की बजाय शासन व्यवस्था संभालें, ताकि मणिपुर में शांति बहाली हो सके। उन्होंने विपक्षी दलों के गठबंधन पर गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी के जवाब में कहा कि 'इंडिया' गुट के खिलाफ 'अनर्गल आरोप' लगाने के बजाय क्या उन्हें मणिपुर और हरियाणा जैसी जगहों में शासन पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए। बता दें कि सिब्बल की टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब एक दिन पहले शाह ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस में हस्तक्षेप करते हुए विपक्षी दलों के गठबंधन के चरित्र पर सवाल उठाया था और कहा था कि इसका असली चेहरा तब देखा गया जब वह सत्ता में बने रहने के लिए भ्रष्टाचार में लिप्त हो गया। अमित शाह ने कहा कि संकेत के ऐसे समय में राजनीतिक दलों और गठबंधनों का चरित्र सामने आ जाता है। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संग्रम) का चरित्र किसी भी तरह से सरकार बचाने के लिए भ्रष्टाचार में लिप्त होना है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का चरित्र स्पष्टता से उजाह्र किया।



रहना है। उन्होंने कहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने सरकार बचाने के लिए किसी भी तरह की कुटिल रणनीति का सहारा नहीं लिया। वाजपेयी सरकार एक वोट कम होने से गिर गई थी। इधर गृह मंत्री की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए सिब्बल ने कहा कि अमित शाह जी 'इंडिया' पर अनर्गल आरोप लगाने के बजाय शासन पर ध्यान क्यों नहीं देते? मणिपुर, हरियाणा, एमपी, महाराष्ट्र। सिब्बल ने सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर कहा कि आप कर्नाटक हार गए- भ्रष्टाचार। जल्द ही मध्य प्रदेश हारोगे- भ्रष्टाचार। धर्म के साथ खलने के बजाय विकास पर ध्यान केंद्रित करें। अनर्गल टिप्पणी में शाह ने यह भी दावा किया था कि विपक्ष ने अपने गठबंधन का नाम बदलकर 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इन्क्लूजिव एलायंस' कर लिया क्योंकि 'संग्रम' नाम अनंगिनत घोषणाओं और भ्रष्टाचार से जुड़ा था।

राहुल गांधी की फ्लाइंग किस पर इतना बवाल, सोचिए मणिपुर की महिलाओं को कैसा लगा होगा?

बीजेपी की महिला सांसदों को लेडी आईएसएन ने लगाई फटक

लोगों की रुह कंपा दी। वीडियो सामने आने के बाद काफी हंगामा हुआ।

मध्य प्रदेश की एक वरिष्ठ महिला आईएसएन अधिकारी ने बुधवार को संसद में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के कथित "अशोभनीय व्यवहार" के खिलाफ विरोध जता रही महिला सांसदों से कहा कि वे बर्बाद हो चले हैं सोचे कि मणिपुर की महिलाओं को कैसा महसूस हुआ होगा। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएसएन) की अधिकारी का इशारा स्पष्ट रूप से हिंसाग्रस्त मणिपुर में सामने आए उस वीडियो की ओर था, जिसमें दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाते देखा जा सकता है। आईएसएन अधिकारी शैलबाला मार्टिन ने ट्विटर पर कहा, 'जब सोचिए मणिपुर की महिलाओं को कैसा महसूस हुआ होगा।'

अमित शाह ने सदन में किया मदद का झूठा दावा, सच्चाई बताने सामने आई कलावती

एक चैनल पर की हकीकत बयानी, पीएम मोदी ने नहीं राहुल गांधी व बढ़ाया था मदद का हाथ

मुंबई (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह के उस दावे को झूटा साबित कर दिया है, जिसमें उन्होंने सदन में बताया था कि गरीब असहाय कलावती को मदद पीएम नरेन्द्र मोदी ने की थी। स्वयं कलावती ने एक चैनल पर आकर सारी हकीकत बताई, और कहा कि उनके मदारी सरकार आई, लेकिन मैं अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान लोकसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के विद्वधों की कलावती बंदुकर का जिक्र किया। अमित शाह ने दावा किया कि राहुल गांधी ने

चुनाव आयुक्त के चयन में अब नहीं होगी मुख्य न्यायाधीशों की भूमिका

—केंद्र सरकार ला रही नया बिल, नियुक्ति पैनल से सीजेआई को किया जाएगा बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब चुनाव आयुक्त के चयन में सीजेआई की भूमिका समाप्त होने वाली है। केंद्र सरकार इसके लिए नया बिल ला रही है।

मिली जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार एक ऐसा कानून बनाने जा रही है जिसमें शीर्ष चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका नहीं होगी। इस विधेयक के मुताबिक चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री को समिति द्वारा की गई कि सिफारिश के आधार पर की जाएगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका तय की थी। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा बिल गुरुवार को राज्यसभा में पेश किया जाना है। सरकार के इस विधेयक में प्रस्ताव किया गया है कि एक चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए नया बिल लाया जाएगा। इस बिल के अंतर्गत मुख्य न्यायाधीश को नया बिल लाया जा रहे इस बिल का उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट के मार्च 2023 के फैसले को कमजोर करना है जिसमें सविधान

चुनाव आयुक्त के चयन में अब नहीं होगी मुख्य न्यायाधीशों की भूमिका

—केंद्र सरकार ला रही नया बिल, नियुक्ति पैनल से सीजेआई को किया जाएगा बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब चुनाव आयुक्त के चयन में सीजेआई की भूमिका समाप्त होने वाली है। केंद्र सरकार इसके लिए नया बिल ला रही है।

मिली जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार एक ऐसा कानून बनाने जा रही है जिसमें शीर्ष चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका नहीं होगी। इस विधेयक के मुताबिक चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री को समिति द्वारा की गई कि सिफारिश के आधार पर की जाएगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका तय की थी। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा बिल गुरुवार को राज्यसभा में पेश किया जाना है। सरकार के इस विधेयक में प्रस्ताव किया गया है कि एक चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए नया बिल लाया जाएगा। इस बिल के अंतर्गत मुख्य न्यायाधीश को नया बिल लाया जा रहे इस बिल का उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट के मार्च 2023 के फैसले को कमजोर करना है जिसमें सविधान

चुनाव आयुक्त के चयन में अब नहीं होगी मुख्य न्यायाधीशों की भूमिका

—केंद्र सरकार ला रही नया बिल, नियुक्ति पैनल से सीजेआई को किया जाएगा बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब चुनाव आयुक्त के चयन में सीजेआई की भूमिका समाप्त होने वाली है। केंद्र सरकार इसके लिए नया बिल ला रही है।

मिली जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार एक ऐसा कानून बनाने जा रही है जिसमें शीर्ष चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका नहीं होगी। इस विधेयक के मुताबिक चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री को समिति द्वारा की गई कि सिफारिश के आधार पर की जाएगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका तय की थी। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा बिल गुरुवार को राज्यसभा में पेश किया जाना है। सरकार के इस विधेयक में प्रस्ताव किया गया है कि एक चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए नया बिल लाया जाएगा। इस बिल के अंतर्गत मुख्य न्यायाधीश को नया बिल लाया जा रहे इस बिल का उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट के मार्च 2023 के फैसले को कमजोर करना है जिसमें सविधान

अमित शाह ने सदन में किया मदद का झूठा दावा, सच्चाई बताने सामने आई कलावती

एक चैनल पर की हकीकत बयानी, पीएम मोदी ने नहीं राहुल गांधी व बढ़ाया था मदद का हाथ

मुंबई (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह के उस दावे को झूटा साबित कर दिया है, जिसमें उन्होंने सदन में बताया था कि गरीब असहाय कलावती को मदद पीएम नरेन्द्र मोदी ने की थी। स्वयं कलावती ने एक चैनल पर आकर सारी हकीकत बताई, और कहा कि उनके मदारी सरकार आई, लेकिन मैं अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान लोकसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के विद्वधों की कलावती बंदुकर का जिक्र किया। अमित शाह ने दावा किया कि राहुल गांधी ने

चुनाव आयुक्त के चयन में अब नहीं होगी मुख्य न्यायाधीशों की भूमिका

—केंद्र सरकार ला रही नया बिल, नियुक्ति पैनल से सीजेआई को किया जाएगा बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब चुनाव आयुक्त के चयन में सीजेआई की भूमिका समाप्त होने वाली है। केंद्र सरकार इसके लिए नया बिल ला रही है।

फर्जी कागजात के सहारे नेपाल में घुसे 24 भारतीय, मांग रहे थे भीख

काठमांडू । नेपाल में घुसे 24 भिखारियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर वापस भारत भेज दिया है। मिला जानकारी के अनुसार पुलिस ने फर्जी दस्तावेज रखने और खुद को प्राकृतिक आपदा का शिकार बताने वाले 12 नाबालिगों सहित भारत के 24 भिखारियों को हिरासत में लिया। इसके बाद पुलिस ने जांच करने के बाद उन्हें वापस भारत भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, राजस्थान से ताकड़ रखने वाले सभी 24 लोगों को भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के नेपाल की तरफ वाले इलाके बिरातोमंड की सड़कों पर भीख मांगते हुए हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि वे हाथों में छह महीने के बच्चे समेत कई छोटे बच्चों को लेकर अलग-अलग बहाने बनाकर पैसे के लिए भीख मांग रहे थे। पुलिस के मुताबिक, उनके पास फर्जी दस्तावेज थे और उन्होंने दावा किया कि वे भारत में प्राकृतिक आपदा के पीड़ित हैं और आपदा की वजह से उन्होंने अपना घर बार खो दिया। पुलिस ने बिरातोमंड नगर निगम की मदद से पता लगाया कि वे बिरातोमंड बसपार्क में एक किराए के कमरे में समूहों में रह रहे थे। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पुलिस की गाड़ी से कांकड़भिता इलाके में मेची पुल पर सीमा की दूसरी तरफ छोड़ दिया।

ब्रिटिश सिख शेफ हरदीप सिंह कोहली रिहा

लंदन । यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार ब्रिटिश सिख शेफ हरदीप सिंह कोहली को रिहा कर दिया गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी। जांच के अनुसार, 54 वर्षीय कोहली पर 20 से अधिक महिलाओं ने हिंसक और यौन रूप से अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया है। स्कॉटलैंड पुलिस ने कहा, हाल ही में यौन अपराधों के आरोप गिरफ्तार कोहली को बाद में अदालत में पेश होने के वादे पर रिहा कर दिया गया है। कोहली के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की ताजा शिकायतें सामने आने के बाद पुलिस ने पिछले महीने जांच शुरू की। रिपोर्ट दी थी कि लेबर पार्टी की एक पूर्व अधिकारी ने आरोप लगाया था कि सोशल मीडिया पर संपर्क करने के बाद कोहली ने उन पर अवांछित यौन टिप्पणियां कीं। कोहली ने मुझे फोन कर सेक्स के बारे में बात करने लगा। मैंने उससे कहा कि मैं सहज महसूस नहीं कर रही हूँ लेकिन उसने यह समझाने की कोशिश की कि मेरे साथ कुछ गड़बड़ है, क्योंकि मैं उसके साथ सेक्स चैट में शामिल नहीं होना चाहती थी। कोहली ने पिछले महीने अपना एक्स प्रोफाइल हटा दिया था, क्योंकि महिलाओं ने इस मंच का इस्तेमाल, उन पर यौन रूप से अनुचित व्यवहार का आरोप लगाने के लिए किया था। पंजाब के अपवासी माता-पिता के घर लंदन में जन्मे, कोहली ने बेबीसी और अन्य प्रसारकों के लिए कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए, और सेलिब्रिटी मार्सेटशेफ के 2006 संस्करण में उपविजेता रहे। कोहली ने 2009 में एडिनबर्ग फ्रिंज में कॉमेडी में कदम रखा, जहां उन्होंने मंच पर करी पकाते हुए वन-मैन शो का प्रदर्शन किया।

इकाडोर में राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या

वाशिंगटन । साउथ अमेरिकी देश इकाडोर से बड़ी खबर आ रही है। इकाडोर के आगामी राष्ट्रपति चुनाव में एक उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या की गई है। देश की नेशनल असेंबली के सदस्य और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फर्नांडो विलाविसियो पर उत्तरी शहर डिटो में बीच कैम्प में हमला किया गया। टीम के सदस्य ने बताया कि विलाविसियो एक कार में बैठ रहे थे, तभी एक व्यक्ति आगे बढ़ा और उनके फिर में गोली मार दी। विलाविसियो को तीन बार गोली मारी गई और बंदूकधारी घटनास्थल से भागने में सफल रहा। राष्ट्रपति चुनाव का पहला दौर 20 अगस्त को होना है। मामले में राष्ट्रपति चुनाव में लॉरोसो ने कहा कि हत्या को बख्शा नहीं जाएगा। लॉरोसो ने कहा, 'उनकी स्मृति और उनकी लड़ाई के लिए, मैं आपको आश्वासन देता हूँ कि यह अपराध बख्शा नहीं जाएगा, लॉरोसो ने कहा, 'संगठित अपराध बहुत आगे बढ़ गए हैं, लेकिन कानून का सारा भार उन पर पड़ेगा। लॉरोसो ने कहा कि वह एक जरूरी बंदूक में शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों की मेजबानी करूंगा। इकाडोर में ड्रग कार्टेल के हिंसक अपराध में वृद्धि हुई है। पिछले महीने, संगठित अपराध से जुड़ी कई हत्याओं के बाद लॉरोसो ने तीन प्रांतों में आपातकाल और रात्रि कर्फ्यू को घोषणा की थी। सुरक्षा के साथ-साथ विलाविसियो का कैम्पेन भ्रष्टाचार से निपटने पर केंद्रित था, उन्होंने एक पत्रकार के रूप में अपने पहले करियर में इस मुद्दे को कवर किया था, और पर्यावरण विनाश को कम करने पर भी उनका पूरा फोकस था।

समुद्र में जहाज के दुर्घटनाग्रस्त होने से 3 बच्चों सहित 41 लोगों की मौत

रोम । इटली के लैम्पेडुसा द्वीप के पास बड़े हादसे की खबर है। यहां समुद्र में जहाज के दुर्घटनाग्रस्त होने से 3 बच्चों सहित 41 लोगों की मौत हुई है। इस हादसे में जीवित बचे लोगों के बयान के बाद ये मामला सामने आया। हादसे में बचे लोगों ने कहा कि वे बहुत मुश्किल से किसी तरह लैम्पेडुसा पहुंचे। ये हादसा बीते हफ्ते, मध्य भूमध्य सागर में हुआ था। ये लोग ट्यूनीशिया से छूटे जहाज में सवार होकर इटली के लिए निकले थे। जीवित बचे लोगों के मुताबिक ट्यूनीशिया के रफेक्स से 45 लोग एक छोटे जहाज पर सवार होकर इटली के लिए रवाना हुए थे। लेकिन कुछ ही घंटे में जहाज पतल गया और उसमें सवार 41 लोगों की मौत हो गई।

फ्रांस में दिव्यांगजनों के विश्राम गृह में लगी आग, 11 की मौत

पेरिस । फ्रांस में दिव्यांगजनों के एक विश्राम गृह में आग लग गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। बंवाव अभियान के प्रमुख ने यह जानकारी दी। फ्रांस की प्रधानमंत्री एलिजबेथ बोर्न ने ट्वीट कर कहा कि वह घटनास्थल के लिए रवाना हो रही है। हाट-राइन क्षेत्र के स्थानीय प्रशासन ने कहा कि विंजेनहेम शहर में दिव्यांगजनों के विश्राम गृह में सुबह करीब साढ़े छह बजे आग लग गई, जिसके बाद 17 लोगों को वहां से निकाला गया, जिनमें गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। फ्रांस के अग्निशमन विभाग ने दमकल की चार गाड़ियों के साथ 76 कर्मियों को मौके पर तैनात किया गया, जिन्होंने कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पा लिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने घटना पर एक टवीट में कहा, इस हादसे के मद्देनजर मेरी संवेदनशीलता, घायलों और उनके परिवारों के साथ है। हमारे सुरक्षा बलों और आपातकालीन सेवाओं को धन्यवाद।

ब्रिटेन के शाही परिवार में भी होते हैं झगड़े, फेंकते हैं एक दूसरे पर बर्तन

लंदन । आम परिवारों में तो लड़ाई-झगड़े होते ही हैं, लेकिन आपको बता दें कि ब्रिटेन के शाही परिवार में भी यह प्रचलन में है। यहां तक कि प्रिंस विलियम और केट के बीच बर्तन फेंकने तक की नौबत आती है। इस बात का लेखक टॉम क्रिन ने दावा किया है कि लोगों की नजर में प्रिंस विलियम और केट मिडल्टन एक आदर्श कपल लगते हैं, लेकिन असलियत यह है कि महल के दरवाजों के पीछे वे लड़ते-झगड़ते हैं। टॉम क्रिन ने बताया कि यह लड़ाई मामूली नहीं होती, वे एक दूसरे पर सामान भी फेंकते हैं। लेखक ने अपनी नई किताब 'गिल्डेड यूथ-एन इंटिमेंट हिस्ट्री' में शाही जोड़ों की लड़ाई के बारे में लिखा है। लेखक ने बताया कि दुनिया के किसी भी अन्य विवाहित जोड़ों की तरह, दोनों के बीच लड़ाई होती है। उनके स्वभाव के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि दोनों भले ही शांत दिखें, लेकिन विलियम बहुत गुस्सेल है। हालांकि केट बहुत शांत दिखती हैं। लेकिन यह हमेशा सच नहीं होता। प्रिंस विलियम टकराव से बचते हैं, लेकिन जल्दी ही वह क्रोधित भी हो जाते हैं। इसका एक उदाहरण हेरी की किताब में देखने को मिलता है। हालांकि केट बहुत ही शांतवित हैं, जिसके चलते टकराव नहीं बढ़ता। प्रिंस विलियम और केट मिडल्टन के रिश्ते में कुछ आकर्षण महल भी है। लेखक ने दावा किया कि केट प्यार से विलियम को बंब कहरक बुलाती हैं और वह कुछ और नामों से भी उनको पुकारती हैं। जिनमें 'बेबीफिस' और 'चिदाने वाला' 'डेस ऑफ ड्रिलिंग' शामिल हैं। वे एक-दूसरे का मजाक भी उड़ाते हैं, खासकर जब प्रिंस विलियम के पतले बालों की बात आती है। टॉम क्रिन के अनुसार, केट मिडल्टन उन्हें प्यार से 'गंजा' कहकर चिढ़ाती थीं।



काठमांडू । नेपाल में घुसे 24 भिखारियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर वापस भारत भेज दिया है। मिला जानकारी के अनुसार पुलिस ने फर्जी दस्तावेज रखने और खुद को प्राकृतिक आपदा का शिकार बताने वाले 12 नाबालिगों सहित भारत के 24 भिखारियों को हिरासत में लिया। इसके बाद पुलिस ने जांच करने के बाद उन्हें वापस भारत भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, राजस्थान से ताकड़ रखने वाले सभी 24 लोगों को भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के नेपाल की तरफ वाले इलाके बिरातोमंड की सड़कों पर भीख मांगते हुए हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि वे हाथों में छह महीने के बच्चे समेत कई छोटे बच्चों को लेकर अलग-अलग बहाने बनाकर पैसे के लिए भीख मांग रहे थे। पुलिस के मुताबिक, उनके पास फर्जी दस्तावेज थे और उन्होंने दावा किया कि वे भारत में प्राकृतिक आपदा के पीड़ित हैं और आपदा की वजह से उन्होंने अपना घर बार खो दिया। पुलिस ने बिरातोमंड नगर निगम की मदद से पता लगाया कि वे बिरातोमंड बसपार्क में एक किराए के कमरे में समूहों में रह रहे थे। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पुलिस की गाड़ी से कांकड़भिता इलाके में मेची पुल पर सीमा की दूसरी तरफ छोड़ दिया।



नोर्वे में डेका नदी में आई बाढ़ के बाद पूरे इलाके में पानी भर गया।

चीनी नौसेना से निपटने भारत की शरण में आए क्वॉड देश और फ्रांस

-मलक्का से घेरेंगे सबमरीन और युद्धपोत, कंबोडिया के खिलाफ अंडमान से चरेंगे चक्रव्यूह

बीजिंग (एजेंसी) । क्वॉड देश और फ्रांस को डराने के लिए चीन ने भले ही अपने युद्धपोत हिंदमहासागर में जमा दिए हैं, लेकिन कंबोडिया के नेवल बेस को ध्वस्त करने के लिए भारत की ओर से अंडमान में विशालकाय व्यूह रचना तैयार कर ली है, ताकि ड्रेगन को तुरंत जवाब दिया जा सके। बताया जा रहा है कि चीनी ड्रेगन की नौसेना ने दक्षिण चीन सागर के बाद अब हिंद महासागर में भी पैर पसाना शुरू कर दिया है। चीन के महाविनाशक युद्धपोत और किलर पनडुब्बियां अब हिंद महासागर के चक्कर लगा रहे हैं। यही नहीं सोचने में हिंद महासागर के प्रवेश द्वार पर कंबोडिया में विशाल नेवल बेस बना ली है। चीन की बढ़ती दादागिरी से निपटने के लिए अब क्वॉड देश और फ्रांस भारत की शरण में आ गए हैं। क्वॉड देश और फ्रांस अब अंडमान और निकोबार द्वीप को सैन्य किले के रूप में विकसित करने में भारत की मदद कर रहे हैं। दरअसल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह मलक्का स्ट्रेट के पास स्थित है जो चीन की दुखती रग है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया से सटा मलक्का स्ट्रेट काफी संकरा है और इसी वजह से चीन की सबमरीन को ऊपर आने के लिए मजबूर होना पड़ता है। चीन की नौसेना को घेरने के लिए मलक्का स्ट्रेट सबसे मुफ्तद जगह बन गया है। यही वजह है कि चीन अक्सर खोंफ में रहता है और यही वजह है कि उसे कंबोडिया में नौसैनिक अड्डा बनाना पड़ा है। दुनिया की फैक्ट्री चीन का अरबों डॉलर का व्यापार मलक्का स्ट्रेट के जरिए होता है। लेकिन चीन को



हमेंसा डर बना रहता है कि भारत और पश्चिमी देश उसे मलक्का स्ट्रेट में घेर सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिका का नेवल बेस डियगो गार्सिया भी हिंद महासागर में स्थित है। यहां परमाणु बाॅम्बर से लेकर पनडुब्बियां तक तैनात रहती हैं। इसी मलक्का दुविधा से बचने के लिए चीन अब पाकिस्तान के रास्ते जमीनी रास्ता भी बना रहा है ताकि उसे अरब सागर तक सीधी पहुँच मिल जाए। इधर भारत भी चीन की बढ़ती दादागिरी से निपटने के लिए अंडमान निकोबार में तीनों ही सेनाओं की कमान बना चुका है। अंडमान निकोबार द्वीप समूह में कुल 572 द्वीप हैं और हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन को रोकने के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। इस महीने ही क्वॉड सदस्य देश जापान के मिसाइलों से लैस घातक डेस्ट्रॉयर समीदोर ने अंडमान निकोबार की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का दौरा किया था। इस दौर का उद्देश्य अपने सहयोगी देशों के साथ दोस्ती बढ़ाना था।

बाइडेन की हत्या की धमकी देने वाले शख्स को एफबीआई ने किया ढेर, ट्रंप का था कट्टर समर्थक

वाशिंगटन (एजेंसी) । एफबीआई ने कहा कि उसके एजेंटों ने एक रेड के दौरान यूटा में एक व्यक्ति को गोली मारी है। एक सूत्र ने कहा कि उस व्यक्ति को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और कानून प्रवर्तन अधिकारियों के खिलाफ धमकी देने के आरोप में निशाना बनाया गया था। साल्ट लेक सिटी में एफबीआई ने कहा कि गोलीबारी तड़के हुई जब एजेंटों ने साल्ट लेक सिटी के दक्षिण में प्रोबो में एक आवास पर गिरफ्तारी और तलाशी वार्ड देने का प्रयास किया। एफबीआई ने उस व्यक्ति की पहचान नहीं की या यह नहीं बताया कि वह गिरफ्तारी की मांग क्यों कर रही थी। एक बयान में कहा गया कि एफबीआई हमारे एजेंटों या टास्क फोर्स के सदस्यों से जुड़ी सभी गोलीबारी की घटनाओं को गंभीरता से लेती है। बयान में कहा गया है कि घटना की समीक्षा की जा रही है। क्लाइव हाउस के एक अधिकारी ने कहा, बिडेन, जो बुधवार को यूटा का दौरा करने वाले थे, को एफबीआई छपे के बारे में जानकारी दी गई, उन्होंने इस मामले पर एफबीआई को आगे के सवालों का जिक्र किया। यू.एस. डाय



रॉयटर्स के साथ साझा की गई एक संक्षेप शिकायत में यूटा के अर्दानी कार्यालय ने संदिग्ध का नाम जेग्न रॉबर्टसन बताया। शिकायत से पता चलता है कि उसने सितंबर में बिडेन और हैरिस की हत्या का आह्वान करते हुए ऑनलाइन पोस्ट किया था। उन्होंने कथित तौर पर बिडेन की निर्धारित यूटा यात्रा से घल्टे उनके खिलाफ ऑनलाइन धमकियां भी दीं। शिकायत से पता चलता है कि उस व्यक्ति ने मैनहट्टन जिला अर्दानी एरिकन ड्रेग के खिलाफ भी धमकियां दीं क्योंकि ड्रेग ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आपाधिक जांच का नेतृत्व किया था और अमेरिकी अर्दानी जनरल मैरिक गारलैंड के खिलाफ भी धमकियां दीं। शिकायत के साथ संलग्न एक पोस्ट में, संदिग्ध ने कहा कि वह ड्रेग को 'खत्म करने के अपने सपने को पूरा करने' के लिए न्यूयॉर्क जा रहा था।

पीएम मोदी न तो वाजपेयी और न ही मनमोहन सिंह, वो तो... बिलावल भुट्टे के फिर बिगड़े बोल

इस्लामाबाद (एजेंसी) । पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में आर्थिक के साथ ही राजनीतिक अस्थिरता लगातार बरकरार है। वहाँ पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने देश की राष्ट्रीय सभा यानी संसद के निचले सदन को भंग कर दिया। मुल्क इन दिनों दो तरफा राजनीतिक और आर्थिक मुसीबतों से दो चार हो रहा है। लेकिन पाकिस्तान का भारत रण खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टे-जरादारी ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक बार फिर से जगह उल्ला है। उन्होंने कहा कि गुजरात के कसाई थे और कश्मीर के कसाई बन जाएंगे। विदेश मंत्रों के रूप में अपने विवादा संवादादाता सम्मेलन में बिलावल ने अपनी विदेश नीति का बचाव किया और कहा कि भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने में प्रगति की कमी का संबंध वर्तमान भारतीय नेतृत्व से है। बिलावल ने पीएम मोदी को भारत के दो पूर्व



प्रधानमंत्रियों के समकक्ष रखने से इनकार कर दिया और उनको लेकर कई आपत्तिजनक बातें कहीं। बिलावल ने कहा कि नरेंद्र मोदी न तो अटल बिहारी वाजपेयी हैं और न ही मनमोहन सिंह। वो गुजरात के कसाई थे और कश्मीर का कसाई बनेंगे। उन्होंने सबसे पहले पिछले साल संयुक्त राष्ट्र सत्र के इतर मोदी को गुजरात का कसाई कहा था। उनकी टिप्पणियाँ उनके शुरुआती वक्तव्य से भी विरोधाभासी थीं जहाँ उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला था कि उनकी विदेश नीति

तीन प्रमुख सिद्धांतों पर आधारित थी। उन सिद्धांतों में से एक में निष्पक्ष नीति का पालन करना शामिल है और एक जो लोकलुभावनवाद पर आधारित नहीं था। हालाँकि, मोदी की उनकी नए सिरे से ब्रांडिंग को लोकप्रिय भावनाओं को जगाने के प्रयास के रूप में देखा जाएगा।

इस बीच, विदेश मंत्री बिलावल ने अपने 16 महीने के कार्यकाल के दौरान विदेश नीति के मोर्चे पर कई उपलब्धियाँ गिनाईं। अफगानिस्तान और भारत पर प्रगति की कमी पर बिलावल ने कहा कि आप क्या उम्मीद करते हैं? हमें 16 महीने में बदलाव लाना चाहिए जो 70 साल में नहीं हुआ। आतंकवाद में वृद्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए बिलावल ने कहा कि यह स्पष्ट है कि अफगान-तालिबान की वापसी से प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का होसला बढे है।

अमेरिका के कहने पर गिरी थी इमरान की सरकार?

इस्लामाबाद । पाकिस्तान से सताबंद किए गए नियोजी इमरान खान को लेकर अमेरिकी मीडिया की तरफ से एक बड़ा दावा किया गया है। अमेरिकी मीडिया कुछ पाकिस्तानी दस्तावेजों के हवाले से कहा कि रूस-यूक्रेन विवाद में तटस्थता की वजह अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इमरान खान को पीएम पद से घटाने के लिए प्रोत्साहित किया। इंडियन एक्सप्रेस के एक लेखी पाकिस्तानी सरकारी दस्तावेज के अनुसार, यूक्रेन पर रूसी आक्रमण पर अपने तटस्थ रुख के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2022 में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अधिवास प्रस्ताव की प्रभावित किए जाने की संभावना जताई गई है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी दस्तावेज में बताया गया है कि 7 मार्च, 2022 को अमेरिका में पाकिस्तानी राजदूत असद मजीद खान और डोनाल्ड लू सहित अमेरिकी विदेश विभाग के दो अधिकारियों की एक बैठक में क्या हुआ।

अब भारत के इस पड़ोसी देश ने जला दी 1-2 नहीं बल्कि 45 कुरान, 52 इस्लामिक देश भी हुए हैरान

हाका (एजेंसी) । कुरान की प्रति को जलाने की खबरें आपको लगातार पढ़ने और देखने को मिल रही है। स्वीडन और डेनमार्क जैसे देशों में कुरान जलाने की खबरें आ रही हैं। इस तरह की घटनाओं धीरे-धीरे पूरे यूरोप में बढ़ती जा रही है। कुरान को बेअदबी किए जाने की घटनाओं को लेकर मुस्लिम देशों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। डेनमार्क और स्वीडन द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करने वाले नियमों के तहत कुरान जलाने की अनुमति देने के बाद ईरान और इराक में विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। लेकिन इसी बीच एक ऐसी घटना हुई है जिसने मुस्लिम देशों के साथ-साथ पूरी दुनिया को ही हैरान करके रख दिया है। इस बार तो एक मुस्लिम देश में कुरान जलाई गई है और कुरान जलाने वाले भी मुस्लिम देश हैं। इस्लामिक बहुल देश बांग्लादेश में कुरान जलाने की घटना सामने आई है। दो लोगों ने मिलकर पवित्र कुरान की प्रतियों को आग के हवाले कर दिया। इसके विरोध में बांग्लादेश की सड़कों पर हजारां लोग उतर आए। पुलिस ने कहा कि रविवार रात कम से कम 10,000 लोग सड़कों पर उतर आए और उन्होंने पवित्र पुस्तक को नष्ट करने के आरोपों पर हमला करने की कोशिश की। एएफपी ने पुलिस अधिकारी अनजबहार अली शेख के हवाले से कहा कि स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश में कम से कम 14 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

मुस्लिम देश में कुरान जलाई गई है और कुरान जलाने वाले भी मुस्लिम देश हैं। इस्लामिक बहुल देश बांग्लादेश में कुरान जलाने की घटना सामने आई है। दो लोगों ने मिलकर पवित्र कुरान की प्रतियों को आग के हवाले कर दिया। इसके विरोध में बांग्लादेश की सड़कों पर हजारां लोग उतर आए। पुलिस ने कहा कि रविवार रात कम से कम 10,000 लोग सड़कों पर उतर आए और उन्होंने पवित्र पुस्तक को नष्ट करने के आरोपों पर हमला करने की कोशिश की। एएफपी ने पुलिस अधिकारी अनजबहार अली शेख के हवाले से कहा कि स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश में कम से कम 14 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

आरोपी कौन है?

पुलिस ने नुर रहमान नाम के एक स्कूल प्रिंसिपल और उसके सहयोगी महबूब आलम को दोषीय के रूप में पहचाना है और उन्हें पूर्वोत्तर शहर सिलहट से हिरासत में लिया है। सिलहट मुस्लिम-बहुल देश के सबसे रूढ़िवादी हिस्सों में से एक है। पुलिस ने उनके पास से जलिये हुए कुरान की कम से कम 45 प्रतियां भी जब्त कीं। आरोपी लोगों का दावा है कि नष्ट की गई कुरान बहुत पुरानी थीं और उनकी छपाई में कुछ गलतियाँ थीं। मुस्लिम विद्वानों के अनुसार, पवित्र पुस्तक का निपटारा तभी स्वीकार्य है जब सम्मानपूर्वक किया जाए।



सन्की तानाशाह किम जोंग उन ने सेना के शीर्ष जनरल को किया बर्खास्त

सियोल । उत्तर कोरिया ने युद्ध का आह्वान कर दिया है, इसके लिए सन्की तानाशाह किम जोंग उन ने सेना के शीर्ष जनरल को बर्खास्त कर दिया है। अब यहां पर पूरी तरह से युद्ध की तैयारी की जगह रही है। बताया जा रहा है कि सन्की तानाशाह ने युद्ध की सभावना के बीच देश में अधिक से अधिक हथियारों के उत्पादन में वृद्धि करने और सैन्य अभ्यास का विस्तार करने का आह्वान किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि किम जोंग ने केंद्रीय सैन्य आयोग की एक बैठक में यह टिप्पणी की, जिसमें उत्तर कोरिया के दुश्मनों को रोकने के लिए जवाबी कदमों की योजना पर चर्चा की गई। हालांकि, दुश्मनों का नाम नहीं बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तानाशाह ने जनरल स्टफ प्रमुख पाक सु इल की जगह जनरल री योंग मिल को सेना का शीर्ष जनरल नामित किया है। हालांकि, यह नहीं बताया गया है कि जनरल री रक्षा मंत्री के रूप में भी अपनी भूमिका में बरकरार रहेंगे या नहीं। हालांकि रिपोर्ट में विवरण दिए बिना कहा गया है कि किम जोंग ने हथियार उत्पादन क्षमता के विस्तार का लक्ष्य भी रखा है। पिछले सप्ताह उन्होंने हथियार कारखानों का दौरा किया था, जहां उन्होंने अधिक मिसाइल इंजन, तोपखाने और अन्य हथियार बनाने का आह्वान किया था। जारी तस्वीरों में किम को मानचित्र पर सियोल और दक्षिण कोरियाई राजधानी के आसपास के इलाकों की ओर इशारा करते हुए दिखाया गया है। इधर संयुक्त राज्य अमेरिका ने उत्तर कोरिया पर यूक्रेन में युद्ध के लिए रूस को हथियार भेजूया कराने का आरोप लगाया है, जिसमें तोपखाने के गोले, रॉकेट और मिसाइलें शामिल हैं।

संपादकीय

रखो तन-मन स्वस्थ
रहो सदा मस्त

तन की स्वच्छता मन की शुद्धि के बिना अधूरी है। जब तक हमारे विचार निर्विकार नहीं होंगे, कषायों की मलिनता हमारे अंदर से नहीं जाएगी उसके लिए हमें सतत प्रयत्न जागरूक रहकर करना होता है। उसमें कंसिस्टेंसी जरूरी है, हमारे कषाय इससे उपशान्त होते-होते धीरे-धीरे मिटते-है साथ में निर्वाचन होने की साधना को भी साधना होता है। तब सब स्वस्थ हो जाता है और आत्मा भी निर्मल होती जाती है, तन और मन के साथ। कहते हैं कि हो नित आसन, व्यायाम और प्राणायाम। शरीर संसार सागर से तारने की नौका हैं। नौका को मजबूत बनाने का कोई भी मौका छोड़ना नहीं चाहिए। आसन, व्यायाम और प्राणायाम से कर लो वायदा। प्रतिदिन करने से होगा इनसे फायदा। दिल और दिमाग बन सशक्त पतवार, शरीर के सभी अंग बने सक्रिय। स्वस्थ तन और मन से ही आत्मा रा कारज सरै। आसन, व्यायाम और प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में अवश्य जोड़ें। पून्यप्रवर प्रायः अपने प्रवचन में फुरमाते हैं कि हमें जो जीवन प्राप्त हुआ है उसको टिकाये रखने के लिए हम खाएं, खाने के लिए न जीयें।

भोजन भी करें तो ऐसा जो स्वास्थ्य व साधना दोनों के अनुकूल हो। हमारा आनंद भोजन में नहीं भजन में हो। भोजन हितकर, मितकर वरिदकर हो व उसे हम शांति के साथ करें। स्तर-स्तर की अंधार्थुध दौड़ में जीवन की हर अंधी चाह-आकांक्षा, के पीछे ना भाग जीवनगाँवाओं। त्वरल सादगी पूर्ण स्वस्थ उत्सव मनाएं।

अपना शरीर ही सबसे महत्वपूर्ण है। हो सदा उसे हमारी स्वस्थ रखना कि प्राथमिकता बाकी सब गौण। क्योंकि शरीर है तो सब हैइसलिए समय पर खाएं, समय पर सोएं। प्रातः भ्रमण, व्यायाम, प्राणायाम-योग आदि का रखें नियमित सुयोग।



प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष	पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।
वृषभ	व्यावसायिक प्रयास फलदायी हैं। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।
मिथुन	दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतुल्य महसूस करेंगे।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
सिंह	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।
कन्या	सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनाता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।
तुला	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
वृश्चिक	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
धनु	आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
मकर	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
कुम्भ	दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने का आशंका है। उदर विकार या लवचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

आम आदमी के जीवन में भी दिखे विकास की खुशी

जयंतिलाल भंडारी

हाल ही में तीन अगस्त को आर्थिक शोध व बाजार पर नजर रखने वाले दुनिया के दो दिग्गज वैश्विक वित्तीय संगठनों - ब्रोक्रेज फर्म मॉर्गन स्टैन्ली और एस एंड पी ग्लोबल द्वारा वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित रिपोर्टों में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में लंबी तेजी का दौर शुरू हो गया है। दुनिया के दूसरे देशों की तुलना में तेजी से आगे बढ़ते हुए भारत आर्थिक शक्ति बनने की डगर पर अग्रसर है। कोई एक वर्ष पहले दुनिया के प्रमुख आर्थिक और वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा था कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा रखने वाला भारत वर्ष 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई देगा, लेकिन इन दिनों प्रकाशित हो रही रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई दे सकता है। हाल ही में प्रकाशित अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ), अमेरिकी इंवेस्टमेंट बैंक मॉर्गन स्टैन्ली जैसे कई वैश्विक संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर सामने आएगा। इतना ही नहीं, 30 जुलाई को विश्व प्रसिद्ध स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि फिलहाल भारत में जो प्रति व्यक्ति आय 2450 डॉलर है, वह वर्ष 2030 तक 70 फीसदी बढ़कर 4000 डॉलर प्रति व्यक्ति हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि 27 जुलाई को जारी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शोध इकाई इकोरेप की रिपोर्ट में भी कहा किया गया है कि भारत वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल से जून की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी से ज्यादा रहने वाली है। इससे चालू वित्त वर्ष के दौरान सालाना विकास दर के 6.5 फीसदी रहने की संभावना बन गई है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2027 तक अमेरिकी इकोनॉमी का आकार 31.09 ट्रिलियन डॉलर का होगा और यह पहले स्थान पर चীন 25.72 ट्रिलियन डॉलर के साथ होगा। तीसरे स्थान पर भारत 5.15 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई देगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 26 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी के प्रतिनिधिमंडल के दोबारा बनाए गए अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र परिसर (आईईसीसी) 'भारत मंडप' राष्ट्र को समर्पित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में वृद्धि की रफ्तार और तेज होगी और भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। इस दावे की तार्किकता है कि वयक्ति जापान की अर्थव्यवस्था स्थिर हो चुकी है और जर्मनी की

अर्थव्यवस्था धीमी गति से बढ़ रही है। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनडीएससीपी) की डिजिटल एवं टिकाऊ व्यापार सुविधा संबंधी रिपोर्ट-2023, इनवेस्को ग्लोबल की 'सोवरेन वेलथ फंड निवेश रिपोर्ट-2023', निवेश बैंक ग्लोबल के 'भारत की आर्थिक संभावना रिपोर्ट 2023' को भारत की बढ़ती हुई आर्थिक, वित्तीय और निवेश अहमियत को रेखांकित करते हुए दिखाई दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग की डिजिटल एवं टिकाऊ व्यापार सुविधा संबंधी रिपोर्ट में भारत 140 देशों को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में आगे पहुंच गया है। इनवेस्को ग्लोबल की रिपोर्ट के मुताबिक सोवरेन वेलथ फंड के निवेश को लेकर दुनिया के 142 मुख्य निवेश अधिकारियों ने भारत को पहली पसंद बताया है। इनवेस्को के अध्ययन के मुताबिक भारत की कारोबारी व राजनीतिक स्थिरता में बढ़ोतरी हो रही है जो उसका मजबूत पक्ष है। राजकोषीय घाटा कम हो रहा है और राजस्व संग्रह में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसके अलावा भारत की आबादी, नियामक पहल और सोवरेन निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल से भी भारत को निवेश की पहली पसंद बनने में मदद मिली है। विकासशील देशों में निवेश के लिए अब चीन नहीं बल्कि भारत निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। इसी तरह निवेश बैंक ग्लोबल के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक चीन भारत की 1.4 अरब की आबादी दुनिया की सबसे बड़ी आबादी बन गई है, इसलिए भारत की जीडीपी में प्रभावी रूप से विस्तार होने का अनुमान है। अनुमान लगाया कि अगले 20 वर्षों में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत का निरभरता अनुपात सबसे कम होगा। यह वास्तव में भारत के लिए विनिर्माण क्षमता स्थापित करने, सेवाओं में वृद्धि जारी रखने, बुनियादी ढांचे के विकास को जारी रखने के मामले में सही होने की खिड़की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के लिए नवाचार और बढ़ती श्रमिक उत्पादकता महत्वपूर्ण होने जा रही है। पूंजी निवेश भी भविष्य में विकास का एक महत्वपूर्ण चालक होगा। बढ़ती आय और गहरे वित्तीय क्षेत्र के विकास के साथ, अनुकूल जनसांख्यिकी के कारण भारत की बचत दर बढ़ने की उम्मीद है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश की अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ाने में बुनियादी ढांचे के निर्माण में आई क्रांति अहम भूमिका निभा रही है। पिछले लगभग एक दशक में



आधुनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण पर 34 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उद्योग-कारोबार को आसन बनाने के लिए 1,500 पुराने कानूनों और 40 हजार अनावश्यक अनुपालन को समाप्त किए जाने की अहम भूमिका है। इस समय भारत को एक वैश्विक डिजाइन और विनिर्माण केंद्र में बदलने के लिए मेक इन इंडिया और 2.0, मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के लिए तकनीकी शक्ति प्रदान करने के लिए उद्योग 4.0, स्टार्टअप संस्कृति को उत्प्रेरित करने के लिए स्टार्टअप इंडिया, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी अवसरचना परियोजना के लिए पीएम गति शक्ति और उद्योगों को डिजिटल तकनीकी शक्ति प्रदान करने के लिए डिजिटल इंडिया जैसी सफल पहल भारत चतुर्थ औद्योगिक क्रांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत कारोबार सुगमता के लिए रणनीतिक रूप से और तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में लोकसभा ने जिस जन विधास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2023 को मंजूरी दी है, वह उद्योग-कारोबार बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। दरअसल, कई और प्रभावी कारण भारत के टिकाऊ विकास और कारोबार को गतिशील कर रहे हैं। करीब 60 फीसदी तक वृद्धि घरेलू खपत और निवेश के कारण होती है। भारतीय बाजार बढ़ती डिमांड वाला बाजार है। भारत का शेयर बाजार दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा शेयर बाजार है। देश में बढ़ते हुए मध्यम वर्ग की उत्साहवर्धक ऋणशक्ति और देश के स्थिर राजनीतिक नेतृत्व के कारण भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। हमें इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि जीडीपी के मामले में भारत वर्ष 2027 में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय के मामले में भी ऊंचाई प्राप्त करे। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ आम आदमी की मुद्दियों में भी अधिक विकास की खुशियां पहुंचते हुए दिखाई दे सकेंगी। लेखक अर्थशास्त्री हैं।

धार्मिक सद्भाव और सौहार्द की प्रतीक तीर्थ दर्शन योजना

(लेखक-नित्य श्रीवास्तव)

धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के कारण मध्यप्रदेश देश भर में अपनी पृथक पहचान स्थापित कर चुका है। विभिन्न धर्म - सम्प्रदाय के लोगों को एक सूत्र में बांधकर रखने का अभिनव प्रयोग सिर्फ मध्यप्रदेश में ही हो रहा है। यहाँ बता दें कि मध्यप्रदेश देश का पहला और एक मात्र ऐसा राज्य है, जो मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में प्रदेश के बुजुर्गों को हवाई जहाज से तीर्थ यात्रा करा रहा है। यह भी सही है कि मध्यप्रदेश के अलावा देश के किसी दूसरे राज्य में ऐसी कोई योजना नहीं है। धर्म में आस्था, विश्वास और सामाजिक सद्भाव को आगे बढ़ाने वाले देश के हृदयस्थल मध्यप्रदेश में ऐसे लोगों की संख्या अधिक है जो तीर्थों का दर्शन करना चाहते हैं। कई बार आर्थिक समस्या तो कई बार अकेलेपन के कारण तीर्थ स्थल जाने की उनकी इच्छा पूरी नहीं हो पाती। तीर्थ दर्शन योजना धार्मिक सद्भाव की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। जब एक साथ विभिन्न सम्प्रदाय के लोग अपने - अपने इष्ट के दर्शन करने तीर्थ स्थलों के लिए भ्रमण करने जाते हैं तो यह अद्भुत दृश्य सामाजिक सद्भाव तथा भाई - चारे का प्रतीक बन जाता है। इस तरह यह योजना देश के अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बन गयी है। कई राज्य इसका अनुसरण कर रहे हैं। यहाँ बता दें कि मध्यप्रदेश की पहचान धार्मिक सद्भाव, विभिन्न जाति के लोगों की एकता तथा भाई - चारे के लिए देशभर में स्थापित हो चुकी है। देश का हृदयस्थल होने के साथ अब यह देश के दूसरे राज्यों के लिए आदर्श भी बन गया है। प्रसंगवश बता दें कि हिन्दू धर्म शास्त्रों में ऐसी मान्यता है कि चौथेपन में तीर्थदर्शन करने से इश्लोक तो सुधरता ही है परलोक भी सुलभ हो जाता है। सुदीर्घ से चली आ रही इस सनातनी परम्परा को मध्यप्रदेश सरकार ने साकार कर दिखाया है। मध्यप्रदेश में हम आज जो तीर्थ दर्शन योजना को फलीभूत होते देख रहे हैं उसके सूत्रधार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ही हैं। अलग - अलग धर्म सम्प्रदाय के बुजुर्ग मुख्यमंत्री से मिलते और तीर्थ स्थलों की यात्रा करने की अपनी आंतरिक इच्छा व्यक्त करते तब प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री का मन एक ऐसी सरकारी योजना बनाने की तरफ

मुखर होता जो बुद्धजनों की इस भावना के अनुरूप हो और इसी चिंतन मनन से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का प्रारूप तैयार हुआ। फिर इसके बाद वर्ष 2012 में इस योजना को आरम्भ किया गया। योजना के पहले चरण में राष्ट्रीय नेता लालकृष्ण आडवाणी की उपस्थिति में 3 सितम्बर 2012 को पहली ट्रेन रामेश्वरम के लिए रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से रवाना हुई थी। इसके बाद 13 सितम्बर 2012 को जब अजमेर शरीफ के लिए ट्रेन रवाना हुई तब इन दोनों अवसरों पर निर्मित सर्वधर्म सद्भाव देश के समक्ष एक अनुकरणीय उदाहरण बन गया था। इसके बाद देश के विभिन्न धार्मिक स्थलों के लिए यात्रियों को ट्रेनों के माध्यम से भ्रमण कराया गया। याद रहे कि ढाई वर्ष कोरोना संक्रमण के कारण ट्रेन अवरुद्ध रही थीं। इस दौरान योजना पर विराम लगाया पड़ गया था। कोरोना संक्रमण लगभग समाप्त होते - होते तीर्थ दर्शन योजना को अप्रैल 2022 से दोबारा आरम्भ किया गया। उल्लेखनीय उपलब्धि यह है कि तीर्थ दर्शन योजना में अब तक 782 विशेष ट्रेनें चलायी गयी हैं। 7 लाख 82 हजार बुद्धज इन ट्रेनों में यात्रा कर चुके हैं। योजना को मिल रही अपार सफलता से सभी उत्साहित हुए। वायुयान से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का प्रथम चरण भोपाल से प्रयाग राज के लिए विगत 21 मई को आरम्भ हुआ। वायुयान से तीर्थ यात्रा करवाने का सिलसिला निरंतर चल रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के शब्दों में "हमारी सरकार ने प्रदेश के बुजुर्गों को हवाई जहाज से तीर्थ - यात्रा कराने का संकल्प लिया था। आज का दिन यह संकल्प पूरा होने और सपने के साकार होने का दिन है। मनुष्य, भौतिक प्रगति के साथ आध्यात्मिक शांति चाहता है। भारत धर्म प्रधान देश है, भक्ति मार्ग में तीर्थ - यात्रा को प्रभु दर्शन का प्रभावी मार्ग माना गया है। हमारे बुजुर्ग बिना कष्ट के कम समय में तीर्थ कर आध्यात्मिक शांति प्राप्त कर सकें इस उद्देश्य से विमान से तीर्थ - यात्रा शुरू की गई है।"



शिवराज सिंह चौहान धर्मप्रेमी और आध्यात्म में रुचि रखने वाले हैं। उन्होंने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा रखरखाव पर विशेष ध्यान देकर अपना मुख्यमंत्री होने का उत्तरदायित्व निभाया है। उज्जैन में महाकाल लोक और अब सलकनपुर के देवी मंदिर को सजाया संवारा जा रहा है। इस तरह इन धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार होने से जहाँ पहुँचने वाले लोगों को सुविधा भी पर्याप्त मिल रही है और दर्शनार्थियों की संख्या में बढ़ोतरी भी हो रही है। पर्यटकों का मध्यप्रदेश में भ्रमण भी लगातार बना रहेगा। धर्म ही या अन्य कोई क्षेत्र, अपनी कार्यप्रणाली से शिवराज सिंह चौहान सबके चहेते बन गये हैं। कहीं मामा तो कहीं बड़े भाई के रूप में जब वे आम लोगों के बीच पहुँचते हैं तो लोगों की अपेक्षाएँ पूरी होने की संभावना प्रबल होती दिखायी देती है। उनके द्वारा चलायी गयी योजनाओं का अनुसरण देश के कई राज्य कर रहे हैं। यहाँ की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, लाइली लक्ष्मी, युवा उषम क्रांति योजना देश भर में प्रशंसा अर्जित कर रही है। स्वच्छता के बारे में भी मध्यप्रदेश देश में अग्रणी स्थान प्राप्त कर चुका है। किसान कल्याण की फिक्र कर प्राकृतिक आपदा आने पर हुई फसलों के नुकसान की भी भरपाई कर सरकार ने अपना उत्तरदायित्व पूरी क्षमता से निभाया है।

तिरुमाला-तिरुपति बोर्ड का अध्यक्ष बने ईसाई विधायक?

(लेखक-सनत जैन)

तिरुमाला-तिरुपति बोर्ड का अध्यक्ष, तिरुपति से निर्वाचित विधायक करुणाकरण रेड्डी को बनाया गया है। यह नियुक्ति आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने की है इस नियुक्ति की सूचना मिलने के बाद से ही, बड़ा बवाल मच गया है। चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलुगू देशम ने प्रदेश भर में इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। टीडीपी का कहना है, कि ईसाई धर्म में आस्था रखने वाले करुणाकरण रेड्डी को कैसे तिरुपति बोर्ड का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। 2006 में भी करुणाकरण रेड्डी, तिरुपति मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रहे हैं। उनके सरनेम के कारण लोग उन्हें हिंदू ही मानते थे। जब करुणाकरण की बेटी की शादी ईसाई रीति रिवाज के साथ हुई। उसके बाद लोगों को पता लगा, कि करुणाकरण ने ईसाई धर्म अपना लिया है। आंध्र प्रदेश की राजनीति में इस नियुक्ति

के बाद तूफान आ गया है। इस तूफानी विवाद में भारतीय जनता पार्टी के नेता अपना अधिकृत बयान देने से बच रहे हैं। भाजपा के किसी भी नेता ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। हो सकता है, दिल्ली सेवा विधेयक को राज्यसभा से पास कराने को लेकर राज्यसभा में मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी के समर्थन की आवश्यकता भाजपा को थी। इस कारण भी भारतीय जनता पार्टी के नेता अपनी चुप्पी साधकर बैठे हुए थे। भाजपा नेताओं का, अब यह कहना है, कि इस दौर में बच्चे अंतर जातिय और अंतर धर्म विवाह कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों के कारण माता-पिता को दंडित क्यों किया जाए। करुणाकरण रेड्डी ने कभी यह नहीं कहा, कि उन्होंने ईसाई धर्म स्वीकार किया है। हां उन्होंने अपनी बहिन की शादी जरूर ईसाई रीति रिवाज से करने की सहमति दी थी। ईसाई रीति रिवाज से ही उनकी बेटी की शादी हुई है। भाजपा के नेता, अब धर्म को निजता का आधार

मानकर बचने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा नेताओं का कहना है, कि बच्चों द्वारा लव मैरिज के दौरान जाति और धर्म का ध्यान नहीं रखा जाता है। धर्म किसी भी व्यक्ति की निजता का मामला है। इसको विवाद का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। भाजपा के नेता इस मामले में सार्वजनिक बयानबाजी से बच रहे हैं। बातचीत के दौरान वह अपनी निजी राय जरूर जाहिर कर रहे हैं। तिरुमाला-तिरुपति मंदिर भारत का सबसे धनी मंदिर है। इसकी आय भी सबसे ज्यादा है। प्रतिमाह इस संस्थान के करोड़ों रूपए खर्च होते हैं। प्रतिमाह मंदिर को अरबों रूपए की आय होती है। राजनीति में भी इस मंदिर में बैठे हुए वधाधिकारियों को बड़ा लाभ मिलता है। ऐसी स्थिति में तिरुपति मंदिर बोर्ड के अध्यक्ष पद पर हुई नियुक्ति को लेकर जो विवाद उत्पन्न हुआ है। इसके दूरगामी परिणामों से इंकार नहीं किया जा सकता है। टीडीपी ने जो मोर्चा खोला है, निश्चित रूप से राजनीतिक

दृष्टि से टीडीपी को लाभ मिलना तय माना जा रहा है। भाजपा जरूर धर्म संकट में फंस गई है। भाजपा के लिए एक और कुआँ और दूसरी और खाई है। किस का समर्थन करें, और किस का विरोध करें, यह भाजपा नेताओं को समझ में नहीं आ रहा है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने भी नियुक्ति करते समय यह नहीं सोचा होगा, कि इस निर्णय पर तीव्र प्रतिक्रिया इस रूप में होगी। विधायक करुणाकरण रेड्डी पहले भी तिरुपति बोर्ड में रह चुके थे। वहाँ के प्रबंधन कार्यप्रणाली से परिचित थे। उस समय उनकी नियुक्ति पर कोई भी विवाद नहीं उठा था। वर्तमान स्थिति में मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी के भी गले में नियुक्ति की फाँस फँस गई है। आंध्र प्रदेश में कुछ माह बाद चुनाव होने वाले हैं।



इस विवाद का असर विधानसभा चुनाव में पड़ना तय माना जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी की हिंदुत्व की छवि पर विरोध नहीं किया जाने की दशा में, राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय जनता पार्टी की छवि पर इसका विपरीत असर पड़ना तय माना जा रहा है।



बारिश में हो रही है खुजली और इन्फेक्शन की समस्या तो इन आदतों को जल्द सुधारें

बारिश के मौसम में स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है। साथ ही बारिश में गीले के बाद कई लोगों को त्वचा संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। झूमिडिटी के कारण ऑयली स्किन से लेकर स्किन रैशज तक कई समस्या होती हैं। कई लोगों को त्वचा में जलन और खुजली की भी परेशानी होती है। इन समस्या को नजरअंदाज करने पर समस्या काफी बढ़ सकती है। बारिश में बैक्टीरिया बढ़ने के कारण स्किन इन्फेक्शन काफी तेजी से फैलता है। अगर आप भी इस मौसम में खुजल, जलन या स्किन इन्फेक्शन की समस्या से परेशान है तो आपको इन टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए...

बॉडी को अच्छे से सुखाएं

बारिश में उमस काफी रहती है जिसके कारण नहाने या बारिश में भीगने के बाद हमारी बॉडी काफी लंबे समय तक गीली रहती है। स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए अपनी त्वचा को अच्छे से सुखाएं। स्किन में नमी के कारण बैक्टीरिया ज्यादा समय तक रहते हैं जिससे इन्फेक्शन का खतरा बढ़ता है। बारिश में भीगने के बाद आप अपनी त्वचा को अच्छे से सुखा लें।

भीगने के बाद हाथ-पैर धो लें

बारिश के पानी में कई तरह के बैक्टीरिया मौजूद होते हैं। साथ ही वातावरण के कारण भी इन्फेक्शन का खतरा काफी होता है। अगर आप बारिश में भीग गए हैं तो घर आकर नहाएं या हाथ-पैर धो लें। आप साबुन या डिटॉल के पानी से भी नहा सकते हैं। ऐसा करने से स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी कम हो जाएगा।

हलके सूती कपड़े पहनें

सर्दी और गर्मी के मौसम में हमे फेब्रिक की समझ रहती है लेकिन बारिश में हम किसी भी प्रकार के कपड़े पहनते हैं। बारिश में पोलिपॉस्टर के कपड़ों के कारण स्किन इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। बारिश में हलके सूती कपड़े पहनने की कोशिश करें। साथ ही इस मौसम में ज्यादा टाइट कपड़े न पहनें।

सूखे अंडरगारमेंट्स पहनें

बारिश में अंडरगारमेंट्स आसानी से सूखते नहीं हैं। साथ ही अंडरगारमेंट्स सूखने के बाद भी इनमें नमी रह जाती है, ऐसे में कई लोग गीले या नमी वाले अंडरगारमेंट्स पहन लेते हैं। गीलापन के कारण त्वचा में इन्फेक्शन, रैशज और बैक्टीरिया का खतरा बढ़ जाता है। अंडरगारमेंट्स अगर गीले हैं तो आप हेयर ड्रायर या आयरन की मदद से सुखा सकते हैं।

टॉवल साफ़ रखें

स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए सबसे जरूरी टॉवल साफ़ करना है। टॉवल बारिश में आसानी से सूखती नहीं है जिसके कारण उसमें फंगस लगने की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए नियमित रूप से अपनी टॉवल को साफ़ करते रहें। गीली टॉवल के इस्तेमाल से बचें। धूप में टॉवल सुखाने की कोशिश करें।

एक इलायची रोज खा ली तो होंगे 3 फायदे

इलायची भारतीय रसोई में उपयोग में आने वाला एक महत्वपूर्ण मसाला है। यदि आपको सेहत के फायदे चाहिए तो आप इलायची का इस्तेमाल आपके भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ ही रोज खाने में भी करें, यानी कि 1 इलायची आप प्रतिदिन खाएं, आपको इलायची खाने बेहतर फायदे भी मिलेंगे।

- यदि आप एक इलायची का सेवन करते हैं तो आपके गले की खराश, गले की सूजन और बैटी हुई आवाज में लाभ होगा। इसके लिए आपको सुबह उठने के बाद एक छोटी इलायची चबा-चबाकर खाकर गुनगुना पानी पीना चाहिए।
- यदि आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो इलायची चबाना एक अच्छा उपाय है। क्योंकि इलायची से जहां मुंह की बदबू दूर होगी। वहीं इसके अन्य कई फायदे भी आपको मिलेंगे।
- यदि आपको बार-बार मुंह में छाले होते हैं तो आप इलायची के पाउडर में पिप्सी मिश्री मिलाकर खाएं, लाभ होगा। इसके अलावा आपको जी मचलाना, खांसी, बदनजमी आदि में इसका फायदा होगा।



कंजविटवाइटिस आई फलू फैल रहा है तेजी से, जानें बचने के उपाय

कंजविटवाइटिस आंखों की एक बीमारी है, जिसे आंख आना या आंखों का गुलाबी होना कहा जाता है। इस रोग में आंखें सुखी लाल होकर सूज जाती हैं। उसमें पानी आने लगता है और खुजली होने लगती है। यह बीमारी एक वायरल रोग है, जो इन्फेक्शन के कारण एक-दूसरे में आ जाती है। अतः जो भी व्यक्ति बार-बार आंख को रगड़ते हैं, उन्हें बैक्टीरियल इन्फेक्शन हो जाता है और उसमें से पस जैसा डिस्चार्ज आने लगता है। साथ ही आंख आने वाले व्यक्ति की आंख में देखने से भी कंजविटवाइटिस फैलता है। इस संक्रमण में आंखों में दर्द, जलन और आंखों में कुछ रेत की तरह चुभने का अहसास भी होता है।

कंजविटवाइटिस से बचने के उपाय

- कंजविटवाइटिस के दौरान साफ-सफाई का ध्यान रखें।
- आंखें आने पर बाहर धूप में निकलने पर आंखें दुखने लगती हैं अतः सनमलासेज पहन कर ही घर से बाहर निकलें।
- दिनभर में कई बार साफ पानी से आंखों को धोएं।
- आई ड्रॉप्स को आंखों में डालने के पहले और दवाई डालने के बाद भी अपने हाथ धोएं।
- जिस व्यक्ति कंजविटवाइटिस का इन्फेक्शन है, उससे दूरी बनाएं रखें।
- यदि घर में किसी को आंखों का इन्फेक्शन है, तो उसका तक्रिया, तौलिया आदि कोई भी चीजें किसी दूसरे के साथ शेयर न करें।
- यदि नेत्र रोग विशेषज्ञ आपको एंटीबायोटिक ड्रॉप या

- मलहम लगाने की सलाह देते हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि दवा का नोजल आंखों तथा पलकों पर टच न हो, इससे भी दूसरी आंख में कंजविटवाइटिस इन्फेक्शन फैलाने का खतरा बढ़ जाता है।
- कंजविटवाइटिस का संक्रमण हाथों के जरिए भी फैल सकता है। अतः घर के सदस्यों तथा स्कूली बच्चों को एक-दूसरे के नजदीक न आने दें।
- कंजविटवाइटिस रोग से ग्रसित व्यक्ति से हाथ न मिलाएं।
- अगर घर में किसी एक बच्चे को इन्फेक्शन है तो घर या स्कूल के दूसरे बच्चों के उसके संपर्क में आने पर उन्हें भी यह हो जाता है।

बारिश में बच्चों को डायरिया से कैसे बचाएं?

बारिश का मौसम बहुत सुहाना होता है लेकिन ये सुहानी बारिश कई खतरनाक बीमारियों को भी लेकर आती है। बारिश में सर्दी, बुखार और जुखाम की समस्या आम होती है। लेकिन इसके साथ ही डायरिया का खतरा भी बारिश के मौसम में बढ़ जाता है। बारिश के पानी में जैमस व बैक्टीरिया होने के कारण पेट की समस्या होने लगती है। कई बार बारिश के मौसम में बहार का न खाने पर भी पेट की समस्या हो जाती है। इस मौसम में इम्युनिटी कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों को भी बारिश के मौसम में सतर्क रहने की जरूरत है।

ऐसे बचाएं बच्चों को डायरिया से

- बच्चों को डायरिया से बचाने के लिए उन्हें घर में प्रवेश करते समय हाथ धोने को कहें।
- खाने से पहले भी उन्हें हाथ धोने या sanitize करने की लिए कहें।
- बच्चों को स्ट्रीट फूड का सेवन न करने दें। बारिश में स्ट्रीट फूड से डायरिया का खतरा बढ़ता है।
- बच्चों को जमे और गंदे पानी से न खेले दें। इससे जेम्स का खतरा अधिक होता है।
- हमेशा बच्चों को RO या उबला हुआ पानी ही पिलाएं।
- डायरिया से बचने के लिए घर में सफाई रखें और मक्खी व कॉकरोच जैसे कीड़ों को न आने दें।

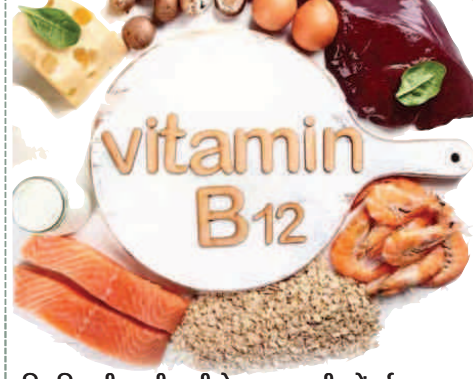
डायरिया से बचने के लिए इन चीजों का सेवन करें

- दही, छाछ, लस्सी पीने से दस्त की समस्या से राहत मिलती है। दही में गुड बैक्टीरिया होते हैं जो आंतों के लिए जरूरी हैं जिससे पेट में ऐंठन, मरोड़ दूर हो जाती है।
- डायरिया से बचने के लिए आप जीरे के पानी का सेवन करें। आप 1 से आधा चम्मच जीरा या जीरा पाउडर लें। इसके बाद इसे अच्छे से पानी में उबाल लें। इसको छान कर ठंडा होने बाद पी लें।
- केला, उबला आलू, अनार, अमूर, संतरा आदि फल-सब्जी का सेवन करें। सादा खाना खाएं जैसे दलिया, खिचड़ी आदि खा सकते हैं।
- आप बच्चों को नारियल व नींबू पानी भी पिलाएं। नींबू पानी में विटामिन फ्लोहा हा जिससे बच्चों की इम्युनिटी बेहतर होगी।

अगर आपके बच्चे को डायरिया हो या उसके लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से इलाज करवाएं। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवाई न लें।

डायरिया के लक्षण

- पतला मल आना
- उल्टी होना
- शरीर में पानी की कमी होना
- पेट में सूजन व ऐंठन होना
- बार-बार बुखार आना
- मल के साथ खून आना
- भूख न लगना
- पेट में ऐंठन होना



विटामिन बी 12 कम होने से क्या होता है?

विटामिन बी 12 की कमी से थकान, शरीर में दर्द, चक्कर आना, कमजोरी महसूस होती है। जी हाँ, यह सच है कि कमी-कमी नींद पूरी होने के बाद भी सुबह उठने पर यदि आपको थकान महसूस होती है और शारीरिक रूप से थका होने के कारण किसी भी कार्य में मन नहीं लगता है। ऐसा महसूस होता होता है कि जैसे चक्कर आ रहे हैं, बॉडी पेन, कमजोरी महसूस हो रही और किसी भी कार्य पर पूर्ण रूप से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं तो इस बीमारी की जड़ विटामिन बी 12 हो सकती है। जानते हैं विटामिन बी 12 कम होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं।

- पूरे शरीर में दर्द महसूस होना
- दिनभर थकान लगना
- सिर दर्द होना
- वजन तेजी से गिरना
- भूख नहीं लगना
- बेहोशी जैसा लगना, बेहोशी महसूस होना, सिर घूमना
- दिल की धड़कन तेज होना
- किसी भी कार्य में मन न लगना
- कुछ भी काम करने का मन न करना
- एनीमिया से पीड़ित होना।

पपीता खाने के हैरान करने वाले फायदे

पपीता एक ऐसा फल है, जिसे कच्चा और पका हुआ दोनों ही तरह से खाया जाता है। पपीता एक पीछिक और रसीला फल है, जिससे हमें कई विटामिन प्राप्त होते हैं। इसके नियमित उपयोग से शरीर में कभी विटामिन की कमी नहीं होती। वैसे तो पपीता अधिकतर लोगों को पसंद होता है और वे इसे खाना भी पसंद करते हैं। लेकिन आपको बता दें कि डायबिटीज के रोगियों को प्रतिदिन पपीता खाने से बचना चाहिए या फिर डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसे खाना उचित रहता है। पपीता पेप्सिन प्राप्त करने का एकमात्र साधन है। इसमें पेप्सिन नामक तत्व पाया जाता है, जो बहुत ही पाचक होता है। यह खासकर उन स्थितियों में भोजन को पचाने में मदद करता है, जब

आपका पाचन तंत्र भोजन को पचाने के लिए पर्याप्त मात्रा में एंजाइम का निर्माण नहीं करता है। अतः यह हमारे शरीर के लिए अति लाभदायी होता है। यदि आप भी नियमित रूप से एक माह तक पपीते का सेवन करते हैं तो इसके आपको हैरान करने वाले फायदे मिलते हैं।

- पपीता खाने से त्वचा व नेत्र स्वस्थ रहते हैं।
- पपीता कब्ज और कफ के रोग में लाभदायी है।
- पपीता पेट एवं आंत संबंधी रोगों में बहुत लाभदायक है, क्योंकि पपीते का रस प्रोटीन को आसानी से पचाने में मददगार माना गया है।
- बच्चों की वृद्धि और रोगों से बचाने के लिए उन्हें विटामिन ए की अधिक आवश्यकता रहती है, जो कि उन्हें पपीता से मिलती है।
- पपीता हृदय रोग, नाड़ियों तथा पेशियों की क्रिया ठीक रखने में सहायता करता है।
- पपीते का सेवन वात शमन करके अपावयु को शरीर से बाहर करता है।
- विटामिन ए पपीते में अधिक मात्रा में पाया जाता है, जो कि हमारी त्वचा एवं आंखों के लिए बहुत आवश्यक होता है। अतः यह त्वचा को स्वच्छ, स्वस्थ और इसकी ग्लोइंग बनाए रखने में लाभकारी है।
- पपीते में कैल्शियम अच्छी मात्रा में होने के कारण यह रक्त और तंतुओं के निर्माण सहायक है।
- पपीता गरिष्ठ पदार्थों या भोजन को आसानी से पचाता है।
- पपीता से हमें पाचक तत्व का एकमात्र प्राकृतिक स्रोत पेप्सिन तथा विटामिन ए, बी, सी, डी के अलावा आयरन, फॉस्फोरस, एंटीऑक्सीडेंट्स, पोटेशियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम और कैरोटीन भी अच्छी मात्रा में मिलता है। अतः बार-बार सर्दी और खांसी से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए पपीते का नियमित सेवन काफी लाभकारी होता है, क्योंकि इससे आपका इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।





जुलाई 2023 में यात्री वाहनों की बिक्री बढ़कर 3.02 लाख यूनिट हुई

मुंबई । घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर 2.94 प्रतिशत बढ़कर 3,02,521 यूनिट हो गई। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (सियाम) ने यह जानकारी दी। जुलाई 2022 में विनिर्माताओं द्वारा डीलरों को 2,93,865 यात्री वाहनों की आपूर्ति की गई थी। सियाम के आंकड़ों के अनुसार जुलाई में दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री घटकर 12,82,054 यूनिट रह गई। जुलाई 2022 में यह 13,81,303 इकाई रही थी। इस दौरान तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री 56,034 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 31,324 इकाई थी। सियाम ने कहा कि सभी श्रेणियों में कुल वाहन बिक्री 16,40,727 इकाइयां रही, जबकि जुलाई 2022 में यह आंकड़ा 17,06,545 इकाई था। सियाम ने कहा कि कुल मिलाकर हमें उम्मीद है कि सरकारात्मक आर्थिक माहौल, बेहतर मौनसून और आगामी त्योहारों के मद्देनजर वाहन उद्योग को समर्थन मिलेगा।

चीन का वाहन निर्यात पहले स्थान पर

बीजिंग । चीनी राजकीय कस्टम ब्यूरो ने 8 अगस्त को इस साल के पहले सात महीनों में विदेशी व्यापार के आंकड़े जारी किए। निर्यात में इलेक्ट्रॉनिक्स का अनुपात 58.1 प्रतिशत तक बढ़ा। इस साल से चीन में निर्मित वाहनों के निर्यात में बढ़ा इजाफा हुआ। इस साल की पहली छमाही में चीन का वाहन निर्यात जापान से आगे निकलकर दुनिया के पहले स्थान पर रहा। चीन दुनिया में सबसे बड़ा कार उत्पादक देश, उपभोग करने वाला देश और निर्यातक देश बना। आंकड़ों के अनुसार इस साल के पहले सात महीनों में चीन ने 27 लाख 78 हजार कारों का निर्यात किया, जो पिछले साल की इसी अवधि से 74.1 प्रतिशत अधिक है। निर्यात का मूल्य 3 खरब 83 अरब 73 करोड़ युआन रहा, जिसकी वृद्धि दर 118.5 फीसदी है।

हीरो मोटोकॉर्प की मुश्किल बड़ी, एक और मामले की जांच शुरु

नई दिल्ली । दोपहिया वाहन बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी हीरो मोटोकॉर्प की मुश्किलें बढ़ गई हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के खिलाफ एक और मामले में जांच चल रही है। यह मामला 90 करोड़ रुपए के फर्जी खर्च से जुड़ा है। आरोप है कि इस पर हीरो मोटोकॉर्प ने टैक्स क्रेडिट लिया था। सूत्रों के मुताबिक हीरो मोटोकॉर्प के वेंडर सॉल्ट एक्सपैरियेंस ने 90 करोड़ रुपए का फर्जी खर्च दिखाया और हीरो मोटोकॉर्प ने इस पर टैक्स क्रेडिट लिया। कंपनी पर करीब 16 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी का संदेह है। सूत्रों के मुताबिक यह जांच डायरेक्ट जनरल ऑफ गुव्स एंड सर्विसेज टैक्स इंटेलीजेंस (डीजीजीआई) कर रहा है और दूसरी एजेंसियों की भी इस पर जांच है। इस बारे में हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि कंपनी इस बारे में जल्दी ही एक बयान जारी करेगी। इस बारे में सॉल्ट से संपर्क नहीं हो पाया। डीजीजीआई फाइनेंस मिनिस्ट्री के तहत आता है। इस बारे में फाइनेंस मिनिस्ट्री ने भी ईमेल का जवाब नहीं दिया। पिछले हफ्ते ईडी ने एक अन्य मामले में हीरो मोटोकॉर्प और उसके एजीक्यूटिव चेरमैन पवन कांत मुजाल के 12 टिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी ने 30 लाख रुपए की एसेट को सीज किया था। यह मामला मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है। एक सूत्र ने कहा कि सॉल्ट एक्सपैरियेंस ने कथित कर चोरी के मामले में डीजीजीआई को 12 करोड़ रुपए का भुगतान किया है और मामले की जांच अब भी चल रही है। इस जांच पर ईडी और मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स समेत दूसरी एजेंसियों की भी नजर है।



सेबी ने शेयर बाजारों में शेयरों के लिस्टिंग की समय सीमा घटाई

नई दिल्ली । मार्केट रेंग्युलेटर सेबी ने निवेशकों और निर्गम जारी करने वालों के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नियामक ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बंद होने के बाद शेयर बाजारों में शेयरों के लिस्टिंग होने की समयसीमा घटाकर तीन दिन कर दी है। वर्तमान में यह समयसीमा छह दिन है। सूचीबद्ध होने और कारोबार की समयसीमा कम किये जाने से निर्गम जारी करने वालों के साथ-साथ निवेशकों को भी लाभ होगा। सेबी बोर्ड ने 28 जून की बैठक में ही लिस्टिंग का समय घटाकर 3 दिन करने को मंजूरी दे दी थी। सेबी के इस फैसले से आईपीओ मार्केट में लिस्टिंग की प्रक्रिया तेज होगी और निवेशकों को लिस्टिंग के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। साथ ही आईपीओ में शेयर अलॉट नहीं होने पर रफैंड भी जल्दी मिल सकेगा। सेबी ने नोटिफिकेशन में कहा कि 1 सितंबर 2023 या उसके बाद आने वाले सभी आईपीओ के लिए लिस्टिंग का समय नए नियम स्वैच्छिक तौर पर लागू होंगे। वहीं 1 दिसंबर 2023 से कंपनियों को अनिवार्य रूप से नियम का पालन करना होगा। सेबी के अनुसार सार्वजनिक निर्गम के बंद होने के बाद प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता में



लगने वाले समय को 6 कार्य दिवस से घटाकर तीन कार्य दिवस (टी + 3 दिन) करने का निर्णय किया गया है। यहां टी इश्यू बंद होने की अंतिम तारीख है। नियामक ने कहा कि एएसबीए आवेदन राशि को जारी करने में देरी के लिए निवेशकों को क्षतिपूर्ति की गणना टी+3 दिन से की जाएगी। मार्केट के सभी स्टैकहोल्डर्स और पब्लिक कंसल्टेशन के बाद ये फैसला किया गया है। कंपनियों को अपने ऑफर डॉक्यूमेंट में लिस्टिंग की टाइम लाइन की जानकारी देनी होगी।

अदाणी विल्मर में 44 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना

नई दिल्ली । गौतम अदाणी अपनी एक कंपनी अदाणी विल्मर में बड़ी हिस्सेदारी का सौदा कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक गौतम अदाणी विल्मर में अपनी 44 फीसदी स्टैक को बेच सकते हैं। अदाणी विल्मर सिंगापुर बेसेड विल्मर ग्रुप के साथ अदाणी समूह का ज्वाइंट वेंचर है। अदाणी विल्मर की मौजूदा वैल्यू की बात करें तो ये करीब 6.17 अरब डॉलर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अदाणी विल्मर में गौतम अदाणी की जो 44 फीसदी हिस्सेदारी है उसकी कीमत करीब 2.7 अरब है। हालांकि, रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि कंपनी में हिस्सा बेचने का ये प्लान अभी शुरुआती चरण में है। वहीं इस मामले में अदाणी ग्रुप की ओर से कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है। ब्लूमबर्ग ने बताया कि भारतीय अरबपति गौतम अदाणी और उनका परिवार विल्मर के बाद व्यक्तिगत क्षमता में अल्पमत हिस्सेदारी बरकरार रख सकते हैं, जबकि विल्मर व्यवसाय में अपनी हिस्सेदारी बनाए रखने का फैसला कर सकते हैं। पिछले हफ्ते अदाणी विल्मर ने पहली तिमाही में नुकसान की सूचना दी थी। वहीं इस साल की शुरुआत में अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिस्क डाए समूह के कॉर्पोरेट प्रशासन पर सवाल उठाए जाने के बाद अदाणी समूह से जुड़े शेयरों का बाजार मूल्य लगभग 147 बिलियन डॉलर कम हो गया है। कंपनी खाद्य तेल, गेहूं का आटा, चावल, दालें और चीनी समेत अन्य जरूरी रसोई से संबंधित प्रोडक्ट्स की बनाने वाली एक एफएमसीजी कंपनी है। इसे जनवरी 1999 में अदाणी समूह और विल्मर समूह के ज्वाइंट वेंचर के रूप में शुरु किया गया था। फिलहाल, कंपनी के भारत के 10 राज्यों में 23 प्लांट हैं।



अब कर्ज लेने वालों को मिलेगा निश्चित ब्याज दर व्यवस्था चुनने का विकल्प: आरबीआई

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक कर्ज लेने वाले लोगों को परिवर्तनशील (फ्लोटिंग) ब्याज दर से निश्चित (फिक्सड) ब्याज दर का विकल्प चुनने की अनुमति देने की योजना बना रहा है। जिससे मकान, वाहन और अन्य कर्ज लेने वाले लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि ऐसे ग्राहक ही ऊंची ब्याज दरों से सबसे अधिक प्रभावित हैं। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिमंत दास ने गुरुवार को द्विमासिक मासिक समीक्षा बैठक के नतीजों की जानकारी देते हुए कहा कि इसके लिए एक नया ढांचा तैयार किया जा रहा है। इसके तहत ऋणदाताओं को कर्ज लेने वाले ग्राहकों को ऋण की अवधि तथा मासिक किस्त (ईएमआई) के बारे में स्पष्ट जानकारी देनी होगी। रिजर्व बैंक द्वारा की गई पर्यवेक्षी समीक्षा और लोगों से मिली प्रतिक्रिया में कई बार उधार लेने वालों की सहमति तथा उचित संवाद के बिना फ्लोटिंग रेट कर्ज की अवधि के अनुचित रूप से बढ़ाने के कई उदाहरण सामने आए। उन्होंने कहा कि इससे निपटने के लिए कर्ज लेने वालों के समक्ष पेश हो रही समस्याओं के समाधान के लिए एक उचित आचरण ढांचा स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसका सभी विनियमित संस्थाओं द्वारा पालन किया जाए। दास ने कहा कि इसमें अवधि या मासिक किस्त में किसी तरह के बदलाव के लिए कर्ज लेने वालों के साथ स्पष्ट रूप से संवाद करना होगा।

इस लंबे सप्ताहांत में, अपनी आज़ादी वाली शानदार मस्ती का आनंद लेने के लिए वॉटर किंगडम का रुख करें!

मुंबई । अगस्त का महाना मध्यम बारिश, शांत स्थलों और लंबे सप्ताहांत का एक आदर्श संयोजन है! मित्र और परिवार आपके लंबे सप्ताहांत की तारीखों के अनुरूप इंटरनेट पर विकल्पों की तलाश शुरू कर देते हैं - स्वतंत्रता दिवस का लंबा सप्ताहांत! हालांकि आपके लिए मुंबई और उसके आसपास देखने के लिए बहुत सारे विकल्प हो सकते हैं, लेकिन क्या आपने कभी मानसून के दौरान वॉटर पार्क के शानदार पूल में डुबकी लगाने की कोशिश की है? यदि नहीं, तो अब और न सोचें और एशिया के सबसे बड़े थीम वाले वॉटर पार्क- वॉटर किंगडम लोगों के साथ गर्म पसंदीदा स्थान वेव पूल में सार्थक बना देगा। इस वर्ष, स्वतंत्रता सप्ताहांत वर्ष का सबसे लंबा सप्ताहांत है जो आपको अपनी स्वतंत्रता से अलग और सार्थक होने वाला है। गर्म का जश्न मनाने का अवसर देता है और

विकल्पों के साथ, टपकते पानी से भरी मजेदार सवारी के साथ, वॉटर किंगडम सबसे अच्छा और अंतिम मानसून सप्ताहांत अवकाश अनुभव देता है। अपने लंबे सप्ताहांत की योजना बनाएं और शहर से दूर नहीं बल्कि अराजक और हलचल भरे जीवन से दूर अपनी मस्ती वाली आजादी को पूरी तरह से जीने के लिए अपने गिरोह के साथ इस जंगल थीम वाले वॉटर पार्क में जाएं! अपने गिरोह के लिए अभी टिकट बुक करें और सभी सर्वोत्तम स्वतंत्रता सौदे प्राप्त करें! कहां: वॉटर किंगडम क्या: वाटर किंगडम में लंबे स्वतंत्रता सप्ताहांत का जश्न मनाएं समय: सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक प्रवेश: अपने गिरोह के लिए सर्वोत्तम ऑफर डील प्राप्त करें!



श्रीराम ग्रुप के फाउंडर ने कर्मचारियों में बांट दी 6,000 करोड़ की संपत्ति

- कंपनी के शेयरों ने इस साल 35 फीसदी से अधिक की छलांग लगाई

नई दिल्ली । श्रीराम ग्रुप के फाउंडर आर त्यागराजन ने अपने छोटे से घर और 5 हजार डॉलर की कार को छोड़कर लगभग सारी संपत्ति कुछ कर्मचारियों को दान में दे दी है। आर त्यागराजन दुनिया के विलक्षण फाइनेंसरों में से एक हैं। एक साक्षात्कार में 86 वर्षीय के त्यागराजन ने कहा कि मैंने 750 मिलियन डॉलर (करीब 6 हजार करोड़ रुपये) का दान दिया है, लेकिन यह कोई नई बात नहीं है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि यह दान कब दिया है। भारत की प्रमुख नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी) में से एक श्रीराम ग्रुप ट्रकों, ट्रेक्टरों और अन्य व्हीकल के लिए भारत के गरीबों को लोन देने में अग्रणी है। इस ग्रुप ने बीमा से लेकर स्टॉक ब्रोकिंग तक 1,08,000 लोगों को रोजगार दिया है। समूह की फ्लैगशिप फाइनेंसरों ने इस साल 35 फीसदी से अधिक की छलांग लगाकर जुलाई में एक रिकॉर्ड बनाया, जो भारत के बैंकिंग स्टॉक इंडेक्स से चार गुना अधिक है। अब त्यागराजन 86 वर्ष के हो चुके हैं और एक सलाहकार की भूमिका में आ गए हैं। त्यागराजन ने बताया कि उन्होंने इंडस्ट्री में यह साबित करने के लिए

प्रवेश किया कि बिना क्रेडिट हिस्ट्री या बिना रेगुलर इनकम वाले लोगों को लोन देना उतना जोखिम भरा नहीं है जितना माना जाता है। त्यागराजन आरटी के नाम से मशहूर हैं। उन्होंने चेन्नई में श्रीराम ग्रुप की स्थापना 1974 में की थी। त्यागराजन का मानना है कि गरीबों को लोन देना समाजवाद का एक रूप है। उन्होंने कहा कि मैं थोड़ा सा वामपंथी हूँ, लेकिन मैं उन लोगों के जीवन से कुछ बुरा खत्म करना चाहता हूँ जो समस्याओं में उलझे हुए हैं। गरीबों को ऋण देना समाजवाद का एक रूप है।



रिजर्व बैंक ने रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को लगातार तीसरी बार नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। रेपो रेट में किसी तरह का बदलाव नहीं होने का फायदा बैंक से लोन लेने का प्लान कर रहे ग्राहकों को मिलेगा। अभी बैंकों की तरफ से किसी भी तरह के लोन पर ब्याज दर नहीं बढ़ाई जाएगी। यदि आरबीआई की तरफ से रेपो रेट में इजाफा किया जाता है तो इसका असर ग्राहकों को मिलने वाले लोन पर पड़ता। अब मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कोई बदलाव नहीं होगा। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। वहीं चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.4 प्रतिशत कर दिया है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की मंगलवार से शुरू हुई तीन दिन की बैठक में किए गए निर्णय की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिमंत दास ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि समिति ने सभी परिस्थितियों में गौर करने के बाद रेपो दर को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला किया है। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी फौरी जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई ने जून और अप्रैल

की पिछली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठकों में भी रेपो दर में बदलाव नहीं किया था। इससे पहले, मुख्य रूप से मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिये पिछले साल मई से लेकर कुल छह बार में रेपो दर में 2.50 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिमंत दास ने गुरुवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि घरेलू स्तर पर आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं। दास ने कहा कि खरीफ की बुवाई और ग्रामीण मांग में सुधार तथा सेवाओं में तेजी और उपभोक्ता भरोसा बढ़ने से परिवारों के उपभोग को समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, कमजोर वैश्विक मांग, वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता, भूराजनीतिक तनाव परिदृश्य के लिए जोखिम हैं। इन सब कारकों को ध्यान में रखकर मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का अनुमान है कि 2023-24 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत रहेगी। पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर आठ प्रतिशत, दूसरी में 6.5 प्रतिशत, तीसरी में 6 प्रतिशत और चौथी में 5.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अगले वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। महंगाई के शक्तिमंत दास ने गुरुवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि घरेलू स्तर पर आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं। दास ने कहा कि खरीफ की बुवाई और ग्रामीण मांग में सुधार तथा सेवाओं में तेजी और उपभोक्ता भरोसा बढ़ने से परिवारों के उपभोग को समर्थन मिलेगा।



आरबीआई ने जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने अपने मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत से 5.4 प्रतिशत कर दिया है। टमाटर और अन्य सब्जियां महंगी होने की वजह से रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति के अनुमान में बढ़ोतरी की है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिमंत दास ने गुरुवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि घरेलू स्तर पर आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं। दास ने कहा कि खरीफ की बुवाई और ग्रामीण मांग में सुधार तथा सेवाओं में तेजी और उपभोक्ता भरोसा बढ़ने से परिवारों के उपभोग को समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, कमजोर वैश्विक मांग, वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता, भूराजनीतिक तनाव परिदृश्य के लिए जोखिम हैं। इन सब कारकों को ध्यान में रखकर मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का अनुमान है कि 2023-24 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत रहेगी। पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर आठ प्रतिशत, दूसरी में 6.5 प्रतिशत, तीसरी में 6 प्रतिशत और चौथी में 5.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अगले वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। महंगाई के

स्वराज ट्रेक्टर्स ने लॉन्च किया 'स्वराज 8200 व्हील हार्वेस्टर', बेजोड़ दक्षता और जबरदस्त तकनीक से लैस किसानों का मजबूत साथी

मोहाली । देश में तेजी से बढ़ते ट्रैक्टर ब्रांड और महिंद्रा समूह के एक हिस्से स्वराज ट्रेक्टर्स ने आज - 'स्वराज 8200 व्हील हार्वेस्टर' लॉन्च किया, जो न केवल कम ईंधन खाते हुए सबसे बेहतरीन काम करता है बल्कि ऐसी-ऐसी तकनीकी सुविधाओं से लैस है, जो इंडस्ट्री में पहले कभी देखने को नहीं मिली। स्वराज का यह नया शाहकार अपने ब्रांड की ताकत और भरोसे को आगे बढ़ा रहा है। कम से कम नुकसान के साथ अनाज की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए बेहतर कटाई क्षमताओं से लैस स्वराज 8200 व्हील हार्वेस्टर प्रति घंटे अधिकतम खन्ना देता है। 'स्वराज 8200' की उद्योग में पहली विशेषताओं में से एक इसकी बुद्धिमान प्रणाली है, जो मशीन मालिकों को वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करती है, जिसमें लाइव लोकेशन ट्रैकिंग, व्यावसायिक मापदंडों को ट्रैकिंग जैसे फंक्शन को कंट्रॉल, सड़क के किलोमीटर की यात्रा और ईंधन की खपत शामिल है। यह जानकारी बेहतर निर्णय लेने और परिचालन दक्षता को सुविधाजनक बनाती है। वाहन सर्विस और हेल्थ अलर्ट के अलावा, एडव्यू स्तर संकेतक और इंजन अलर्ट उपकरण मालिकों, किसानों और किंग्स पर देने वाले उद्योगियों के लिए वास्तविक समय की निगरानी को सक्षम करते हैं। जैसा कि मशीन का उपयोग और लाभाप्रदता अधिकतम होे प्रति जाती है। यह डायनलिसिस को कम करते हुए हमारे अट्टे समर्पण का सबूत है। सक्रिय रखरखाव को भी सक्षम बनाता है। 23 एफ़डू में फैंटो कंपनी की अपनी अत्याधुनिक सुविधा में निर्मित, स्वराज 8200 व्हील हार्वेस्टर अर्थव्यवस्था का इंधन-कुशल, इन-हाउस टीआरएम-IV कलेंटर इंजन से भी सुसज्जित है। इसका सुविधाजनक डिजाइन चलाने वाले को बहुत आराम देता है, काम के लंबे घंटों के दौरान थकान को कम करता है। इसके अलावा, ऑपरटिंग को एक सरल लिफ्टिंग/निगलिंग मैनेजर और एप-आधारित वीडियो कॉलिंग के माध्यम से व्यक्तिगत सहायता भी मिलती है, ताकि कोई प्रेशराने होने पर तुल्य उनके दवाजे पर सेवा मिल सके। फर्म इंक्विरी सेक्टर-एमएंडएम लिमिटेड के प्रेसिडेंट हेमंत सिंहा ने कहा, स्वराज 8200 व्हील हार्वेस्टर को फेसबुक फर्म मशीनों पर हमारे सोचे-समझे फोकस को दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वराज 8200 इस क्षेत्र के भीतर तेजी से विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। इस इंटेलीजेंट मशीन की शुष्कता कृषि को आधुनिक बनाने और किसानों को नवीनतम तकनीक से सक्षम बनाने के प्रति हमारे अट्टे समर्पण का सबूत है।



एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी के सेमीफाइनल में भारत और जापान का मुकाबला आज

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम शुक्रवार को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) में जापान से होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में अर्ध-प्रदर्शन कर फाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेगी। पिछले मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ मिली शानदार जीत से भारतीय टीम के हौसले बुलंद हैं। भारतीय टीम का लक्ष्य सेमीफाइनल में जापान के खिलाफ आक्रामक रणनीति अपनाकर हावी रहना रहेगा। अब तक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अजेय रही है। राउंड रॉबिन चरण में चार मैच जीतकर और एक ड्र खेलकर भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष पर है। इसके बाद भी भारतीय टीम जापान को हलके में नहीं लेना चाहेगी। इसका कारण है कि जापान को भी अब तक इस टूर्नामेंट में हार नहीं मिली है। दोनों टीमों के बीच लीग चरण का मैच भी 1-1 से बराबरी पर रहा था

हालांकि अगर विश्व रैंकिंग की बात की जाए तो दोनों टीमों के बीच काफी बड़ा अंतर है जिसमें भारतीय चौथे और जापान 19वें स्थान पर है। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इसके बाद भी भारतीय टीम जापान को कम नहीं आंकेगी। इसका कारण है कि जबकि जापान 2021 चरण के सेमीफाइनल में उसे जापान से ही 3-5 से हार का सामना करना पड़ा था जबकि राउंड रॉबिन चरण में उसने उसपर 6-0 से जीत हासिल की थी। भारतीय टीम ने ने अभी तक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 20 गोल किए हैं पर जापान के खिलाफ लीग मैच में खिलाड़ियों ने गोल करने के अवसर गंवा दिए हैं। इसलिए अब भारतीय टीम को जापान के खिलाफ कल होने वाले मुकाबले में अपनी खराब 'फिनिशिंग' को बेहतर करने होगा। भारतीय टीम जापान के खिलाफ लीग

मैच में 15 पेनल्टी कॉर्नर में से केवल एक को ही भुना पायी थी। इसलिए अब सेमीफाइनल में मेजबान टीम को कोई गलती नहीं करनी होगी। पाकिस्तान पर भारत को 4-0 की जीत के बाद कोच ने कहा कि उनकी टीम के लिए मैच के चारों छोरों में निरंतरता बरकरार रखना अहम होगा। फुल्टन ने कहा, "हमने पाक के खिलाफ हर छोरों में अच्छी निरंतरता दिखाई जो हमने जापान के खिलाफ लीग मैच के दौरान 1-1 से ड्र रहे मैच में भी दिखायी थी। उस मैच में हमने जापान की तुलना में प्रत्येक छोरों में सर्कल के अंदर काफी ज्यादा बार हमले किये थे। हम अपनी इसी निरंतरता को बनाये रखने का प्रयास करेंगे। भारतीय टीम के उप कप्तान और मिडफील्डर हार्दिक सिंह का भी मानना है कि जापान के खिलाफ अधिक से अधिक गोल करने के लिए 'बॉक्स के अंदर पहुंचकर शांत लगाने के



अलावा अधिक संयम रखने की भी जरूरत रहेगी। उन्होंने कहा, 'हमें इसी लय के जारी रखने की उम्मीद है। लेकिन हमें फिर भी बॉक्स के अंदर अधिक संयम की जरूरत होगी, जो बहुत ही अहम हिस्सा है। साथ ही हमें खेल की लय भी तय करनी होगी। जहाँ तक जापान की बात उसने पाक के मुकाबले

नेशनल बैंक ओपन: शीर्ष रैंकिंग पर काबिज इगा स्विचातेक ने कैरोलिना प्लिस्कोवा को हराया

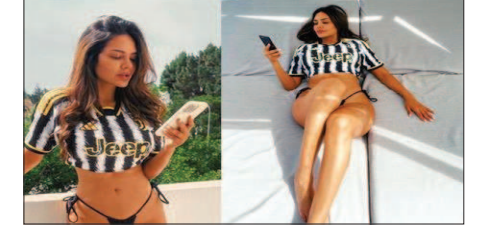


मांट्रियल (एजेंसी)। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज टेनिस खिलाड़ी इगा स्विचातेक ने पहले सेट में मिली चुनौती से पर पाते हुए नेशनल बैंक ओपन के दूसरे दौर कैरोलिना प्लिस्कोवा को 7-6 (6), 6-2 से शिकस्त दी। अब स्विचातेक का सामना 14वीं वरीय कैरोलिना मुचोवा से होगा जिन्होंने सोराना क्रिस्टी पर 7-5, 6-4 से जीत हासिल की। स्विचातेक इस साल फ्रेंच ओपन के फाइनल में मुचोवा को हरा चुकी हैं। रात्रि सत्र में दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेका ने पेट्रु मार्टेच को 6-3, 7-6 (5) से पराजित किया। विम्बलडन चैंपियन और नौवीं वरीय मार्केटा कोन्द्रोपूसोवा ने कैरोलिन

विम्बलडन खिताब के बाद पहले मैच में अल्काराज ने शेल्टन को हराया

टोरंटो-विम्बलडन खिताब जीतने के बाद पहला मैच खेल रहे शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने नेशनल बैंक ओपन के दूसरे दौर में बेन शेल्टन को 6-3, 7-6 से मात दी। अमेरिकी ओपन में खिताब का बचाव करने की तैयारी में जुटे अल्काराज ने क्लीस खिताबी जीत से अब तक लगातार 13 मैच जीत लिये हैं, अब उनकी भिड़त तीसरे दौर में 15वीं वरीयता प्राप्त ह्यूबर्ट हुकाबज से होगी जिन्होंने मियामी के सैम एन्टोनियोविच पर 5-7, 6-3, 6-0 से जीत हासिल की। एंडी मरे ने मैक्स पुरसल पर 7-6 (2), 3-6, 7-5 से जीत दर्ज की। अब तीन बार के विजेता मरे का सामना यानिक सिनर से होगा। दूसरे वरीय दानिल मेदवेदेव ने दोफहर के सत्र में मांट्रियल के फिलिपो क्रिस्टोफिरी को 6-2, 7-5 से पराजित किया। शीर्ष पांच वरीय खिलाड़ियों में से तीन बाहर हो चुके हैं। गेल मॉफिट्स ने चौथे वरीय स्टेफानोस पिटसिपास को 6-4, 6-3 से हराकर उदघाटन किया जबकि मार्कोस मिरानो ने होल्वान रूने को 6-2, 4-6, 6-3 से मात देकर बाहर किया।

जुवेंटस की जर्सी में नजर आर्यों अभिनेत्री ईशा



मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता आजकर इटली में घुड़ियां मना रही हैं। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो आया है। इसमें ईशा फूटबॉल वलब जुवेंटस की जर्सी में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसे काले रंग की बिकनी बॉटम के साथ जोड़ा था। वह तस्वीर में बेहद आकर्षक नजर आ रही हैं। इसके अलावा बिना मेकअप और बिना जूलीर वाला उनका लुक भी खूबसूरती को बढ़ा रहा है। ईशा ने यह तस्वीर फीफा महिला विश्व कप शुरू होने के समय जारी की थी। उन्होंने लिखा था, 'मेरे दिमाग में हर जगह जुवेंटस वलब है, अब सभी इस फीफा महिला विश्व कप के लिए तैयार हैं। ईशा को इस पोस्टर पर बड़ी तादाद में कमेंट आए हैं। वहीं सात लाख से ज्यादा लोगों ने उनकी तस्वीर को लाइक भी किया।

2011 विश्वकप फाइनल में धोनी ने सबसे महंगे बल्ले से की थी बल्लेबाजी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं। साल 2011 विश्वकप फाइनल में धोनी ने छह लयकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। तब धोनी ने एक शानदार पारी खेलकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी पर क्या आप जानते हैं इस मैच में धोनी ने क्या बल्ले से खेल था उसकी कीमत क्या थी? एक रिपोर्ट के अनुसार ये सबसे महंगा बल्ला था और इसकी कीमत एक लाख रुपये थी जबकि आम तौर पर बल्लों की कीमत 4000 रुपये से 10,000 रुपये तक होती है। धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने दो विश्व कप जीते हैं। इसमें एक 2007 टी 20 विश्व कप और फिर 2011 एकदिवसीय विश्व कप। एकदिवसीय विश्व कप में उन्होंने विश्व के सबसे महंगे क्रिकेट बल्ले से खेला था। 2011 विश्वकप में धोनी ने जो बल्ला उपयोग में लाया था वह अंग्रेजी विलो से बना था और इसकी कीमत लगभग एक लाख रुपये थी। धोनी के इस बल्ले को बाद में वैरिटी संस्था के लिए नीलाम कर दिया गया था। जिसमें ये 83 लाख रुपये में बिका था। धोनी के इस बल्ले को ईस्ट मैट्स वेस्ट चैरिटी डिजिट नाम की एक वैरिटी संस्था के लिए नीलामी में रखा गया था और तब अरक र्ग्लोबल शेयर एंड सिविलीटीज लिमिटेड ने इसे 100,000 पाउंड (तकरीबन 83 लाख रुपये) से अधिक में खरीदा था।

ऑस्ट्रेलिया को विश्वकप के लिए सबसे प्रबल दावेदार मानते हैं अधिन

नई दिल्ली। टीम इंडिया के अनुभवी स्पिनर आर अधिन का मानना है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम काफी अच्छी है और वह एकदिवसीय विश्वकप कप जीतने की एक बड़ी दावेदार है। विश्वकप भारत में पांच अक्टूबर से शुरू होगा। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से 8 अक्टूबर को होगा। यह मुकाबला चेन्नई में खेला जाएगा। विश्वकप को लेकर अब तक कई दिग्गजों ने भविष्यवाणी की है। उसी कड़ी में अब अधिन का मानना है कि है ऑस्ट्रेलियाई टीम सबसे बड़ी दावेदार नजर आ रही है।

अंतिम बार विश्वकप खेलते दिखेंगे रोहित, विराट और जडेजा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम में कप्तान रोहित शर्मा, अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित कई खिलाड़ी 35 के करीब पहुंचने जा रहे हैं। ऐसे में ये विश्वकप इन खिलाड़ियों का अंतिम विश्वकप होगा। 35 साल के कप्तान रोहित की फिटनेस को लेकर हमेशा से सवाल खड़े होते रहे हैं। वह चाहेंगे कि भारत विश्व विजेता बने और इसके साथ ही उनकी कैबिनेट में एक और आईसीसी ट्रॉफी आ जाए। वह 2007 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। 2019 में उन्होंने इंग्लैंड में खूब रन बनाये थे। इस बार भी उनसे वैसे ही प्रदर्शन की उम्मीदें हैं



वहीं पूर्व कप्तान विराट कोहली विश्व के सबसे फिट खिलाड़ियों में शामिल हैं वह भी 35 वर्ष के होने जा रहे हैं। ऐसे में अलावा विश्वकप खेला उनके लिए भी संभव नहीं है। ऐसे में माना जा रहा है कि युवाओं को अवसर देने वाले नहीं खेलेंगे। वैसे भी जिस प्रकार युवा खिलाड़ी सामने आ रहे हैं। उससे अनुभवी खिलाड़ियों के लिए टीम में बने रहना मुश्किल होता जा रहा है। इसके अलावा रविंद्र जडेजा भी अभी 34 वर्ष के हैं। ऐसे में आगे विश्वकप तक उनकी उम्र भी अधिक हो जाएगी और ऐसे में उनके लिए भी ये अंतिम विश्वकप होगा। वह तीनों फॉर्मेट खेलते हैं और इसके अलावा आईपीएल भी है। टीम इंडिया में जिस प्रकार अक्षर पटेल सहित कई अन्य ऑलराउंडर सामने आ रहे हैं ऐसे में जडेजा का आगे खेलना संभव नहीं है। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिनर आर अधिन भी 35 साल के हो गये हैं और ऐसे में अगले विश्वकप तक ये दोनों ही चालीस के करीब पहुंच जाएँगे और इसलिए इनका टीम में रहना संभव नहीं लगता।

एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीत सकती है भारतीय महिला टीम : राजेश्वरी गायकवाड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी राजेश्वरी गायकवाड़ को लगता है कि राष्ट्रमंडल खेलों में गोल्ड मेडल से चूकने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम आले महिने चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करेगी। दरअसल, पिछले साल भारतीय टीम बर्मिंघम में महिला क्रिकेट ने राष्ट्रमंडल खेलों में डेब्यू किया था। जिसमें टीम गोल्ड जीतने से चूक गयी थी। उसे फाइनल में आस्ट्रेलिया से हार मिली थी। वहीं हाल के वर्षों में टीम को बड़े टूर्नामेंट के तीन फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय महिला टीम ने आईसीसी (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के आधार पर सीधे एशियाई खेलों के छोरों पर प्रवेश के लिए क्वालीफाई किया। इस दौरान बायें हाथ की स्पिनर गायकवाड़ ने पीटीआई से बात करते हुए कहा कि, 'निश्चित रूप से हम एशियाई खेलों में गोल्ड जीतेंगे। उन्होंने कहा, 'हम सभी बड़ी प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ खेल चुके हैं, लेकिन हम उसके बारे में सोचते नहीं रह सकते, हमें अपनी टीम पर भरोसा है, हम गोल्ड जीत सकते हैं।' बता दें कि, राजेश्वरी गायकवाड़ भारत के पिछले



दौर (बांग्लादेश के खिलाफ) पर टीम का हिस्सा नहीं थी। जिसमें टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज 2-1 से जीती जबकि वनडे सीरीज में 1-1 से बराबर रही। गायकवाड़ ने कहा, "मैं बांग्लादेश दौरे के दौरान रिहैबिलिटेशन में थी और आराम कर रही थी। ऐसा नहीं था कि मुझे टीम से बाहर किया गया था।" भारत के लिए दो टेस्ट, 64 वनडे और 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी स्पिनर इस समय महिला प्रीमियर लीग की टीम यूपी वॉरियर्स में भारतीय खिलाड़ियों के लिये लगे सत्र से इतर के शिविर में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, "हमने शिविर में काफी अच्छा काम किया है। हमें किसी विशेष विभाग पर काम करने की जरूरत नहीं है लेकिन उन विभागों में सुधार कर सकते हैं जिसमें हम बेहतर कर सकते थे और हमारा ध्यान सिर्फ इसी पर लगा है।" गायकवाड़ ने कहा, "हमारा ध्यान सभी विभागों में सुधार करने पर है, जिसमें फील्डिंग, बल्लेबाजी और गेंदबाजी शामिल है। विशेषकर बल्लेबाजों ने अपने स्ट्रोक पर काम करने की कोशिश की है।

भारतीय टीम में वापसी नहीं, काउंटी में बेहतर प्रदर्शन पर है मेरा ध्यान : पृथ्वी



लंदन। टीम इंडिया से बाहर चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ आजकल काउंटी क्रिकेट में छाये हुए हैं। पृथ्वी ने यहां शानदार दोहरा शतक लगाया है। इस बल्लेबाज ने रॉयल लंदन वन-डे कप में समरसेट के खिलाफ 153 गेंदों में ही 244 रन बनाकर पहले के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पृथ्वी ने लिस्ट ए क्रिकेट में अब तक की सबसे बड़ी पारी खेलकर दर्शकों को हैरान कर दिया। नॉर्थम्पटनशायर की ओर से खेलते हुए उन्होंने 28 चौके और 11 छक्के लगाये। पृथ्वी की इस पारी से नॉर्थम्पटनशायर ने 50 ओवरों में ही आठ विकेट पर 415 रन बनाए और समरसेट को 87 रनों से हरा दिया। पृथ्वी लंबे समय से टीम से बाहर हैं और उम्मीद की जा रही है कि अग वह इसी प्रकार काउंटी में खेलेंगे तो शीघ्र ही उनकी भारतीय टीम में वापसी हो सकती है। पृथ्वी ने अंतिम बार जुलाई 2021 में भारतीय टीम की ओर से खेला था। वहीं इस बल्लेबाज ने कहा कि वह वह भारतीय टीम में अपनी वापसी के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं और इसके जगह इंग्लैंड में खेल का आनंद ले रहे हैं। उन्हें यहां अपने खेल को बेहतर बनाना है। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, निश्चित रूप से अनुभव। मैं वास्तव में यह नहीं सोच रहा हूँ कि भारतीय व्यनकर्ता क्या सोच रहे होंगे, लेकिन मैं बस यहां अच्छा समय बिताना चाहता हूँ, यहां के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ अच्छा समय बिताना चाहता हूँ। नॉर्थम्पटनशायर ने मुझे अच्छा अवसर दिया है। वे मेरी देखभाल कर रहे हैं। मैं वास्तव में इसका आनंद ले रहा हूँ।

एशिया कप 2023: एशिया कप 2023 में टीम इंडिया की जर्सी पर लिखा जाएगा 'पाकिस्तान'



नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2023 की मेजबानी पाकिस्तान और श्रीलंका करेंगे। वहीं मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एशिया कप के दौरान पहली बार ऐसा होगा जब भारतीय टीम की जर्सी पर पाकिस्तान का नाम लिखा जाएगा। दरअसल, 30 अगस्त से शुरू होने वाले एशिया कप के 4 मैच पाकिस्तान में जबकि अन्य मुकाबले श्रीलंका में खेले जाएँगे। जबकि टूर्नामेंट का मेजबान इस बार पाकिस्तान है।

टीम इंडिया की जर्सी पर 'पाकिस्तान' नाम

टीम इंडिया टूर्नामेंट के सभी मैच श्रीलंका में खेलेगी। हालांकि, पाकिस्तान एशिया कप का मुख्य होस्ट है इसलिए टीमों को अपनी जर्सी पर पाकिस्तान का नाम लिखवाना हो सकता है। यही कारण है कि भारत टीम की जर्सी पर पाकिस्तान का नाम लिखा जा सकता है। वहीं टीम इंडिया की जर्सी में पाकिस्तान एशिया कप के लोगों के ठीक नीचे होगा। हालांकि, अभी

आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। एशिया कप में भारतीय टीम अपने अधिन्याय की शुरुआत 2 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। वहीं भारत और पाकिस्तान के बीच ये

रिनोवेशन के दौरान ईडन गार्डन में लगी आग

कोलकाता। एकदिवसीय विश्वकप के आयोजन स्थलों में से एक कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में बुधवार रात को अचानक ही आग लग गयी। इससे वहां रख सामान को भी काफी नुकसान हुआ। फायर ब्रिगेड ने काफी प्रयासों के बाद आग पर नियंत्रण किया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है पर माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण ऐसा हुआ है। ईडन गार्डन में विश्वकप के पांच मैच खेले जाते हैं। जिसमें एक सेमीफाइनल मुकाबला भी है। गौरतलब है कि विश्वकप को देखते हुए बीसीसीआई ने गत दिनों सभी 10 आयोजन स्थलों के सुधार और उन्हें बेहतर बनाने के लिए करोड़ों की राशि आवंटित की थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहली मंजिल पर स्थित ड्रेसिंग रूम में देर रात आग लगी। इस दौरान रिनोवेशन का काम कर रहे कर्मचारियों ने तत्काल सुरक्षा गार्डों को इस बारे में जानकारी दी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड को जानकारी दी गयी। फायर ब्रिगेड की 2 गाड़ियों ने आधे घंटे के प्रयास के बाद ही आग पर काबू पाया। तब तक स्टोर रूम में बड़ा नुकसान हो गया था। यहां रखे कई सामान जल गए जिसमें खिलाड़ियों का सामान भी था। ईडन गार्डन में सेमीफाइनल सहित 5 मुकाबले खेले जाएँगे।



विश्व चैंपियनशिप : निशिमतो से भिड़ेंगे किदांबी, सिंधु को मिला बाई

कुआलालंपुर (एजेंसी)। बैटमिंटन विश्व चैंपियनशिप के पहले राउंड में भारत की अनुभवी शटलर पीवी सिंधु विनाश करने में मदद कर रही हैं, जबकि किदांबी श्रीकांत जापान के केंता निशिमतो के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेंगे। विश्व बैटमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने गुरुवार को डॉन आयोजित होने के बाद इसकी पुष्टि की। कुल 16 भारतीय शटलर डॉन का हिस्सा थे, जिनमें से चार एकल स्पर्धाओं में भाग लेंगे। केवल एचएस प्रणय और सात्विकसाईरंज रंकीरडु-चिरगा श्रेठी की जोड़ी को शीर्ष 10 में वरीयता दी गयी है। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु (16वीं वरीयता प्राप्त) दूसरे राउंड से अपने अभियान की शुरुआत करेंगे जहां उनका मुकाबला जापान की नोजोमी ओकुहारा और बियतनाम की थूरु लिन्ह नुयें में से किसी एक से भिड़ेंगी।

दूसरी वरीयता प्राप्त और पिछले संस्करण के कांस्य पदक विजेता सात्विकसाईरंज रंकीरडु और चिरगा श्रेठी को भी बाई मिली है। विश्व की नंबर दो पुरुष युगल जोड़ी दूसरे दौर में आयरलैंड के जोशुआ मेगो/पॉल रेनॉल्ड्स या ऑस्ट्रेलिया के केनेथ ड्रे ह्यू चू/मिंग चुएन लिम से भिड़ेंगी। भारत के एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत की स्टार तिक्की पुरुष एकल में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। पहले दौर में नौवीं वरीयता प्राप्त प्रणय का मुकाबला फिनलैंड के काले कोलजोनेन से होगा, जबकि 11वां वरीयता प्राप्त लक्ष्य का मुकाबला मॉरीशस के जॉर्जेस जूलियन पॉल से होगा। महिला युगल प्रतियोगिता में 15वीं वरीयता प्राप्त त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी पहले राउंड में बाई मिलने के बाद दूसरे राउंड में चीनी लार्वे की चांग चिंग ह्यू/यांग चिन तुन या एस्टोनिया की केटी-ज़ोटी मरान/हेलैना रुटेले से भिड़ेंगी। अधिनी भट्ट के, और शिखा गौतम की दूसरी भारतीय महिला युगल जोड़ी नीदरलैंड की देबोरा जिल और चेरिल सेनेन के खिलाफ क्वालीफिकेशन के लिए लड़ेंगी। रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी को पहले चरण में स्कॉटलैंड के एडम हॉल और जूली मेकफर्सन से भिड़ना होगा। इसी प्रतियोगिता में वेंकट प्रसाद और जुही देवांगन जर्मनी के जोन्स रैल्की जैनेसेन और लिंडा एफ्टर से भिड़ेंगी। बैटमिंटन विश्व चैंपियनशिप का 28वां संस्करण 21 से 27 अगस्त के बीच डेनमार्क के कॉपनहेगन में खेले जायेगी। इस प्रतियोगिता की पांच अलग-अलग श्रेणियों में 55 देशों के 375 शटलर हिस्सा लेंगे।



विश्व दिवस पर मुख्यमंत्री ने कहा- 'लायन कंजर्वेशन एंड प्रोटेक्शन' की योजनाओं और प्रोजेक्टों को प्रभावी बनाया

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने साफ तौर पर कहा कि राज्य सरकार ने शेरों के संरक्षण और संवर्धन को प्राथमिकता देकर 'लायन कंजर्वेशन एंड प्रोटेक्शन' की योजनाओं एवं प्रोजेक्टों को प्रभावी एवं व्यापक बनाया है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को गांधीनगर में आयोजित विश्व शेर दिवस-2023 के समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस समारोह में भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना विज्ञान संस्थान (बाइसेग) के माध्यम से जुड़े 74 तहसीलों के 7 हजार से अधिक स्कूलों, वन्यप्रणी प्रेमी नागरिकों और स्वैच्छिक संगठनों को राज्य सरकार द्वारा शेरों के संरक्षण के लिए किए गए उपायों की विस्तार से जानकारी दी। वन मंत्री मुठ्ठाई बेरा तथा राज्य मंत्री मुकेशभाई



पटेल की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह के अंतर्गत मुख्यमंत्री ने शेरों से संबंधित फिल्म 'लायन एंथम' को लॉन्च किया। इस फिल्म का निर्माण रोहन त्रिवेदी के निर्देशन में एकता जन्मय चोकसी ने किया है। पार्थ तारपुरा के शब्दों को ब्रिजराज गढ़वी ने अपना स्वर दिया है और निशित मेहता ने संगीतबद्ध किया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शेरों की रीयल टाइम लोकेशन और उनकी गतिविधियों की जानकारी देने के लिए वन विभाग द्वारा तैयार किए गए 'सिंह लॉन्च किया' को लॉन्च किया। इसके साथ ही उन्होंने डॉ. सक्किरा बेगम की पुस्तक 'द किंग ऑफ द जंगल डू द एशियाटिक लायन ऑफ गिर' और अरविंद गोस्वामी लिखित पुस्तक 'हू गिर नो सावज' का विमोचन भी किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गिर के शेरों के प्रति विशेष लगाव का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से 'लायन एट 2047 - विजयन अमृत काल' के लक्ष्य के साथ लयन प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि शेरों के संवर्धन और संरक्षण के इस प्रोजेक्ट के लिए प्रधानमंत्री ने 2900 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत शेरों के लिए ब्रीडिंग सेंटर यानी प्रजनन केंद्र, आइसोलेशन सेंटर, रेडियो कॉलर, ड्रोन का उपयोग तथा शेर उपचार केंद्र में बुनियादी सुविधाएं विकसित करने का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन विभाग के अथक प्रयासों और जनभागीदारी से शेरों के संवर्धन को लेकर जागरूकता बढ़ी है। शेरों की आबादी में भी लगातार बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2010 में 411 शेरों के मुकाबले वर्ष 2020 में शेरों की संख्या बढ़कर 674 हो गई है। इतना ही नहीं, शेरों का विचरण क्षेत्र भी गिर के अलावा चोटिला, सायला, अमरेली और भावनगर क्षेत्रों सहित कुल 30 हजार वर्ग किलोमीटर तक पहुंच गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बताया कि गिर में शेरों का मुक्त विचरण देखने 'सिंह दर्शन' के लिए आने वाले सैलानियों की संख्या गत वर्ष 8 लाख पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि सासणगिर स्थित सफारी पार्क में पर्यटकों के अतिरिक्त दबाव को कम करने के लिए गिर के पूर्वी क्षेत्र उना तहसील के नाडिया मांडवी में नए सफारी पार्क को राज्य के बजट में मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए व्यापक जनभागीदारी की अपेक्षा व्यक्त करते हुए सभी से इसके लिए प्रतिबद्ध होने का आह्वान भी किया।

"मूड बदल के तो देखो" तीज सिंधारा उत्सव का हुआ भव्य आयोजन



सूरत भूमि, सूरत। अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा "मूड बदल के तो देखो" तीज सिंधारा उत्सव का आयोजन गुरुवार को दोपहर बारह बजे से डूमस रोड स्थित होटल ली-मैरिडियन (टी.जी.बी) में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ की गई। आयोजन में महिलाओं द्वारा देशभक्ति एवं राजस्थानी गीतों पर डांस किया गया। आयोजन में 150 से ज्यादा महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित रही। आयोजन में अनेकों गेम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी विजेताओं को संघ द्वारा मोमेंटो, गिफ्ट एवं चॉकलेट दी गई। इस मौके पर संघ की अध्यक्ष सविता सिंघानिया, मंत्री वीणा बंसल, विमल अग्रवाल, मंजु जालान, रीना गाड़दिया, बिंदु अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

किसान को थप्पड़ मारने का मुद्दा गरमाया, किसानों ने शुरू की गांधीनगर तक न्याय यात्रा

बनासकांठा । तीन दिन पहले दियोदर में आयोजित एक बैठक में एक किसान नेता को एक शख्स ने थप्पड़ मार दिया था। थप्पड़ मारने वाला शख्स दियोदर के विधायक केशाजी चौहान का समर्थक बताया जाता है। तीन दिन पहले का यह मामला अब गांधीनगर पहुंचने वाला है। विधायक केशाजी चौहान के इस्तीफे की मांग को लेकर दियोदर से आज न्याय यात्रा शुरू की गई है, जो गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ मुलाकात के बाद संपन्न होगी। दरअसल बनासकांठा जिले के दियोदर में तीन दिन पहले दियोदर के विधायक केशाजी चौहान समेत अधिकारियों की उपस्थिति में अटल भूजल योजना को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया था। इस बैठक में बड़ी संख्या में किसानों को भी बुलाया गया था। बैठक खत्म होने के बाद किसान नेता अमराभाई चौधरी के साथ नोंकड़ों के बाद एक शख्स ने थप्पड़ मार दिया था। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद बनासकांठा जिले के किसानों में आक्रोश भड़क उठा। वीडियो को लेकर किसानों ने आरोप लगाया कि अमराभाई चौधरी पर हमला करने वाला शख्स दियोदर के विधायक केशाजी चौहान का समर्थक है। जिसके बाद केशाजी चौहान के इस्तीफे की मांग की जा रही है। इस मामले में न्याय की मांग के साथ आज सणादर से किसानों ने न्याय यात्रा शुरू की है, जो विभिन्न गांवों से होते हुए गांधीनगर की ओर बढ़ रही है। जिन गांवों से यात्रा गुजर रही उन गांवों के लोग भी इसमें शामिल होते जा रहे हैं। आज से शुरू हुई न्याय यात्रा विभिन्न गांवों से होते हुए गांधीनगर पहुंचेगी और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से ज्ञापन देकर केशाजी चौहान के इस्तीफे की मांग करेंगे। किसानों ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर गांधीनगर में पेशकश के बाद उनके साथ न्याय नहीं किया गया तो वह दियोदर से दिल्ली तक कूच करेंगे।



इसमें शामिल होते जा रहे हैं। आज से शुरू हुई न्याय यात्रा विभिन्न गांवों से होते हुए गांधीनगर पहुंचेगी और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से ज्ञापन देकर केशाजी चौहान के इस्तीफे की मांग करेंगे। किसानों ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर गांधीनगर में पेशकश के बाद उनके साथ न्याय नहीं किया गया तो वह दियोदर से दिल्ली तक कूच करेंगे।

मंडियों में आय बढ़ने से सब्जियां हुई सस्ती, आनेवाले दिनों में और घटेंगे दाम

अहमदाबाद । पिछले दो महीने से आसमान खूब रहे सब्जियों के दाम अब घटने लगे हैं और आनेवाले दिनों में इसमें और गिरावट आने की संभावना है। मंडियों में सब्जियों की आय बढ़ने से इसकी कीमतों में कमी आई है। सब्जियों की कीमतें बढ़ने से लोगों के भोजन का स्वाद फीका हो गया था, लेकिन अब वह स्वाद धीरे धीरे लौटने लगा है। हसा-दस दिन बाद और राहत मिलने की संभावना है। सब्जियों की कीमतें आसमान छूने खासकर टमाटर के दाम प्रति किलो 200 रुपए पर हो रहे हैं। मंडियों में गिरावट आ रही है। व्यापारियों के मुताबिक बंगलूर में हुई बारिश की वजह से फसलों को काफी नुकसान होने से टमाटर की आय घट गई थी, जिसकी वजह से टमाटर की कीमतें लगातार बढ़कर रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई थी। बाजार में 20 टर्कों की जरूरत के मुकाबले केवल 4 टर्क आ रहे थे। मांग ज्यादा और आय कम होने की वजह से टमाटर की दाम आसमान पर पहुंच गए थे। लेकिन अब बंगलूर में बारिश की स्थिति सामान्य होने से टमाटर की आय बढ़ने से इसकी कीमतें घटने लगी हैं। आगामी हसा-दस मिलेंगे।



बढ़कर रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई थी। बाजार में 20 टर्कों की जरूरत के मुकाबले केवल 4 टर्क आ रहे थे। मांग ज्यादा और आय कम होने की वजह से टमाटर की दाम आसमान पर पहुंच गए थे। लेकिन अब बंगलूर में बारिश की स्थिति सामान्य होने से टमाटर की आय बढ़ने से इसकी कीमतें घटने लगी हैं। आगामी हसा-दस मिलेंगे।

हिमालया ने जनरेशन अल्फा की ओजी इन्फ्लुएंसर उनकी माँ की भूमिका दर्शाते हुए "ओजी पिंपल सॉल्यूशन" अभियान लॉन्च किया है

अग्रणी वैलनेस कंपनी, हिमालया ने अपना नया अभियान, "ओजी पिंपल सॉल्यूशन" शुरू किया है, जिसमें माँ और उनकी टोनेज बेटियों के बीच का मधुर संबंध दिखाया गया है। इस अभियान में हिमालया अपनी ब्रेटी के जीवन में मुख्य इन्फ्लुएंसर के रूप में माँओं की भूमिका का चित्रण कर रही है, जो खासकर स्किन केयर और पिंपल के इलाज के वक्त और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है। यह अभियान मुख्य उत्पाद, हिमालया नीम फेस वॉश पर केंद्रित है, जो स्किनकेयर के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित और भरोसेमंद नाम है। अपनी शुरुआत से ही हिमालया ने प्राकृतिक सामग्रियों और सस्टेनेबल अभ्यासों को अपनाया है, और हिमालया प्यूरिफाइंग नीम फेस वॉश के ब्रांड के इस सफर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिमालया प्यूरिफाइंग नीम फेस वॉश को गहरा वैज्ञानिक अनुसंधान और परीक्षण के बाद बनाया गया है। क्लिनिकली प्रमाणित यह फेस



वॉश 100 फीसदी प्राकृतिक नीम से बना है, जो सस्टेनेबल विधियों से प्राप्त की जाती है, ताकि पर्यावरण और समुदाय को रखा हो सके। गायत्री कबोलन, कैटेगरी मैनेजर, हिमालया वैलनेस कंपनी ने इस कंसेप्ट और अभियान के रचनात्मक निर्देशन के बारे में बताते हुए ब्रांड के उद्देश्यों व मूल्यों के साथ इसकी अनुकूलता पर बल दिया। उन्होंने कहा, "हमने हिमालया प्यूरिफाइंग नीम फेस वॉश को समृद्ध विरासत और ब्रांड की कहानी से प्रेरणा ली। हमारा उद्देश्य एक ऐसे अभियान का निर्माण करना है, जो न केवल इस उत्पाद की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करे, बल्कि हमारी विरासत और सस्टेनेबल स्किनकेयर की प्रतिबद्धता को भी गौरवान्वित करे। हम अपने पैतृक ज्ञान में ब्रांड की एक मजबूत बुनियाद और गुणवत्ता की प्रतिबद्धता पर बल देते हुए अपने ग्राहकों से गहरा जुड़व विकसित करना चाहते हैं।"

"पुरुषोत्तम मास के अवसर पर विद्यालय में श्रीहरि को एक लाख तुलसीपत्र का अर्पण"



सूरत । अडजनाप में स्थित श्री स्वामीनारायण अकादमी ज्ञान, शिक्षा और संस्कृति का एक आदर्श मिशन है। पिछले 25 वर्षों से, स्कूल उन्नत, नवीन शैक्षिक विधियों के माध्यम से समाज का नेतृत्व कर रहा है। विद्यालय द्वारा नैतिक शिक्षा का संचालन किया जाता है। जिसके अंतर्गत बच्चों में संस्कार, सभ्यता, संस्कृति का विकास किया जाता है ताकि बच्चा मशीनी इंसान बना कर दे और उसके हृदय में दया, करुणा, परोपकार, आपसी सहयोग, सम्मान, देशभक्ति जैसे अंतर्निहित मानवीय गुणों का विकास हो। आधुनिक शिक्षा भी आध्यात्मिक भागफल की

वकालत करती है। गुरुवार दिनांक 10/8/2023 को पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) के अवसर पर स्कूली बच्चों ने भगवान श्रीहरि को एक लाख तुलसी अर्पित कर पवित्र मनोरथ का आयोजन किया। अधिक मास में श्री प्रभु को तुलसी चढ़ाने का आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों एवं सभी शिक्षक मित्रों ने पूजन एवं दर्शन का लाभ लेकर भाग लिया। इस कार्यक्रम का शुभ उद्देश्य विद्यार्थियों में ज्ञान एवं संस्कृति का संचार करना है। संस्थान के संस्थापक शास्त्री स्वामी श्री हरिवल्लभदासजी ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों को बधाई दी। प्रशासक श्री दिनेशभाई गोंडलिया ने विद्यार्थियों, शिक्षकों के इस संयुक्त प्रयास को सराहना की।

लैक्ससे इंडिया को सस्टेनेबिलिटी- एक्सी लेंस इन सेफ्टी के लिये मिला फिक्की केमिकल्स एण्ड पेट्रोकेमिकल्स अवार्ड 2023

मुंबई । लैक्ससे इंडिया को सस्टेनेबिलिटी- एक्सीलेंस इन सेफ्टी के लिये प्रतिष्ठित फिक्की केमिकल्स एण्ड पेट्रोकेमिकल्स अवार्ड 2023 मिला है। यह प्रतिष्ठित सम्मान हमारे सभी परिचालकों में सुरक्षा के उच्चत मानक बनाये रखने के लिये हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सस्टेनेबिलिटी- एक्सीलेंस इन सेफ्टी अवार्ड उन कंपनियों को दिया जाता है, जो अपने कर्मचारियों, ग्राहकों तथा बड़े पैमाने पर समुदाय को भलाई सुनिश्चित करने के लिये उच्च प्रतिबद्धता दिखाती हैं। यह उन संस्थाओं को स्वीकारोक्तित देता है, जो सुरक्षा के प्रभावी प्रोटोकॉल्स पर कार्यन्वयन करने और काम करने का ज्यादा सुरक्षित वातावरण बनाने के लिये लगातार नवाचार करती हैं। पीटीएसई के पूर्ण-कालिक निदेशक एवं प्रमुख बलराम खोटे, खरीदी एवं लॉजिस्टिक्स के वीपी-हेड राजीव गौड़ और पीटीएसई- ऑपरेशंस/सेफ्टी, एक्वेजिट, रिसर्च/डिसेंबल के प्रमुख एवं ट्रेड कॉन्सीएएस एंस के सीनियर मैनेजर भगत मीसाला ने 27 जुलाई 2023 को नई दिल्ली में आयोजित एक इवेंट में लैक्ससे इंडिया

को और से यह पुरस्कार प्राप्त किया। यह पुरस्कार अपने सभी कर्मचारियों के लिये ज्यादा सुरक्षित एवं स्थायित्वपूर्ण वातावरण बनाने की दिशा में लैक्ससे को पहलों तथा प्रयासों को पहचान देता है। पुरी संस्था में सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाली सोच को बढ़ावा देकर लैक्ससे इंडिया ने अपने परिचालकों में दुर्घटनाओं, घटनाओं तथा चूकों को सफलतापूर्वक कम किया है। इस सफलता पर अपनी बात रखते हुए लैक्ससे इंडिया के वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक नमिदेश गंय चौधरी ने कहा, "सुरक्षा सिर्फ एक प्राथमिकता नहीं है, बल्कि यह लैक्ससे की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण मूल्य और अभिन्न हिस्सा है।"

सौर ऊर्जा का फायदा उठाने की आजादी- वारी एनर्जी की फ्रीडम सेल से किफायती दामों पर लीजिए सौर उत्पाद, देश के हरित भविष्य में कीजिए मदद

नई दिल्ली । सौर ऊर्जा क्षेत्र को एक प्रसिद्ध कंपनी वारी एनर्जी लिमिटेड (डब्ल्यूईएल) 15 और 16 अगस्त को वारी ऑनलाइन स्टोर (shop.waaree.com) पर एक्सक्लूसिव चम्रेडम सेल का आयोजन करेगी। सेल का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा अपनाने और अधिक हरित, अधिक टिकाऊ भविष्य में योगदान करने के लिए प्रेरित करना है। पिछले साल अक्टूबर में भी कंपनी ने वारी स्टोर पर ऐसी सेल आयोजित की थी, जिसे भारी सफलता मिली। इसे देखते हुए कंपनी स्वतंत्रता दिवस पर भी फ्रीडम सेल लेकर आ रही है। ऐसा कि आप जानते हैं वारी एनर्जी लिमिटेड द्वारा निर्मित सभी सौर उत्पादों के लिए एकमात्र ई-कॉमर्स

मार्केटप्लेस वारी स्टोर है, जहां प्रीमियम सोलर प्रोडक्ट को एक बहुत बड़ी रेंज आपको मिलती है। इसमें सोलर फैनल, इनवर्टर, बैटरी, फिट और छत पर इंस्टॉलेशन के लिए पंप और इंस्टॉलेशन में मदद शामिल है। फ्रीडम सेल में शामिल होकर आप वारी के हाई-कॉलिटी वाले सोलर प्रोडक्ट पर 30% तक की विशेष छूट और ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। अगर आप स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा विकल्पों में निवेश का मन बना रहे हैं तो यह बिलकुल सही समय है। इसे देखते हुए कंपनी स्वतंत्रता दिवस पर भी फ्रीडम सेल लेकर आ रही है। ऐसा कि आप जानते हैं वारी एनर्जी लिमिटेड द्वारा निर्मित सभी सौर उत्पादों के लिए एकमात्र ई-कॉमर्स